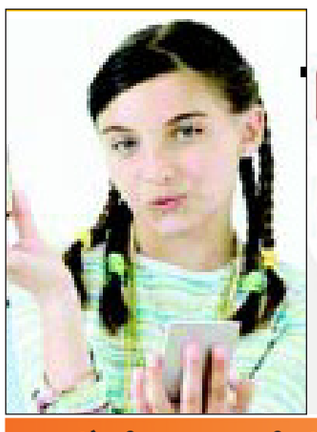

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

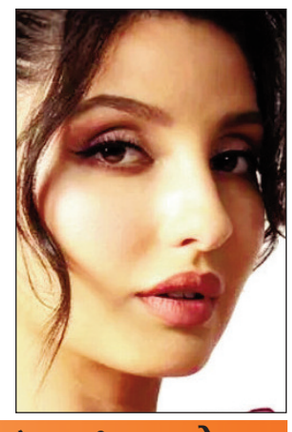

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास पेज: 7

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 78 | शनिवार 20 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पीएम मोदी का बंगाल दौरा, किसानों को देंगे बड़ी सौगात, योग दिवस समारोह में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 और 21 जून को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे, जहाँ वे 'पश्चिमबंग दिवस' (पश्चिम बंगाल दिवस) में शामिल होंगे और 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। 20 जून को दोपहर लगभग 3:45 बजे, प्रधानमंत्री हुगली ज़िले के तारकेश्वर में 'पश्चिम बंगाल दिवस' समारोह में शामिल होंगे। यह जगह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से जुड़ी हुई है। राज्य के कार्यक्रम की थीम "पश्चिम बंगालः विरासत सद्भाव और विकास" है जो राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक एकता और विकास के लक्ष्यों को दर्शाती है। इस कार्यक्रम के दौरान, मोदी कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और उनकी आधारशिला रखेंगे।

अब क्या हो गया? चीन, रूस, ईरान के नेताओं ने अचानक क्यों कटाया दिल्ली के लिए टिकट? मोदी से क्यों मिलना चाहते हैं?

नई दिल्ली एजेंसी: भारत की अध्यक्षता में 22 और 23 जून को नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक इस वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय कूटनीतिक आयोजनों में मानी जा रही है। इस बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सर्गेई शोइगु और ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव नेजामीपुर सहित ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह बैठक सितंबर में भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की रूपरेखा तैयार करेगी और वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा सहयोग तथा बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के सवालों पर सदस्य देशों की सामूहिक रणनीति को दिशा देगी। हम आपको बता दें कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाल रहा है। वर्तमान में इस समूह में भारत, ब्राजील, चीन, मिस्र,

इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता का विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास रखा है, जो यह दर्शाता है कि नई दिल्ली ब्रिक्स को केवल आर्थिक मंच नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहती है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की यह यात्रा विशेष महत्व रखती है क्योंकि वह भारत चीन सीमा मुद्दे पर चीन के विशेष प्रतिनिधि भी हैं। उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल तथा विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात कर सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में सीमा तनाव और अविश्वास के कारण दोनों देशों के संबंधों में जो ठहराव आया था, उसमें अब धीरे धीरे सुधार दिखाई दे रहा है। भारत अगले वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता चीन को सौंपेगा और दोनों देशों ने एक दूसरे की अध्यक्षता का

ई दिल्ली ब्रिक्स को केवल आर्थिक मंच नहीं.....

भारत ने ब्रिक्स की अपनी अध्यक्षता का विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास रखा है, जो यह दशार्ता है कि नई दिल्ली ब्रिक्स को केवल आर्थिक मंच नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहती

समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह संकेत है कि रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद दोनों देश बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग की नीति अपनाना चाहते हैं। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते घटनाक्रमों ने वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित किया है। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम शांति समझौते तथा प्रतिबंधों में संभावित ढील के बाद ईरान एक बार फिर भारत के प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने की कोशिश कर रहा है। इसी संदर्भ में ईरान के पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पाकनेजाद भी अगले सप्ताह भारत पहुंचेंगे और ब्रिक्स ऊर्जा बैठक में भाग लेंगे। उनकी केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी संभव है। ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहली ने स्पष्ट कहा है कि भारत को भरोसेमंद, स्थिर और सस्ती ऊर्जा आपूर्ति की आवश्यकता है तथा ईरान के पास इन जरूरतों को पूरा करने की व्यापक क्षमता है। हम आपको याद दिला दें कि साल 2019 तक ईरान भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकताओं में शामिल था, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को आयात रोकना पड़ा था। यदि प्रतिबंध हटते हैं तो भारत फिर से ईरानी तेल खरीद बढ़ा सकता है। इससे भारत को ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने, आयात लागत घटाने और पश्चिम एशिया में रणनीतिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी। इस घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू चाबहार बंदरगाह परियोजना है। भारत लंबे समय से इस बंदरगाह को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच के रणनीतिक द्वार के रूप में विकसित कर रहा है, जिससे पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क मजबूत किया जा सके। अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील मिलने पर भारत इस परियोजना पर काम तेज करना चाहता है।

क्रॉस-वोटिंग से कर्नाटक बीजेपी में सियासी तूफान, नितिन नवीन ने विजयेंद्र को तलब किया

नई दिल्ली एजेंसी: राज्य विधान परिषद चुनावों में क्रॉस-वोटिंग के बाद, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को कर्नाटक पार्टी प्रमुख बीवाई विजयेंद्र और पार्टी के अन्य नेताओं को तलब किया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि नवीन ने चुनाव में क्रॉस-वोटिंग पर कड़ी आपत्ति जताई है और येदियुरप्पा व अन्य नेताओं से 23 जून को यहां उनसे मुलाकात को कहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व में नयी सरकार के कार्यभार संभालने के बाद हुए पहले चुनावी मुकाबले में, सत्ताधारी कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद की सात सीट में से पांच पर जीत हासिल की जबकि विपक्षी दल भाजपा ने दो सीट जीतीं। सूत्रों ने बताया कि परिणामों में विपक्षी दल भाजपा और

जद (एस) के विधायकों की क्रॉस-वोटिंग सामने आई, जिससे कांग्रेस को 151 वोट मिले, जो उसके अनुमानित 140 वोटों से 11 अधिक थे। सूत्रों के मुताबिक, शुरूआती जानकारी से पता चलता है कि इस चुनाव में भाजपा के तीन और जद(एस) के आठ विधायकों ने कथित तौर पर क्रॉस-वोटिंग की और भाजपा के एक विधायक का वोट अमान्य घोषित कर दिया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने भाजपा विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग किए जाने की बात स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ विश्वासघात किया है, उनकी पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा, ह्यह्यकिसने क्रॉस-वोटिंग की और क्यों? जानकारी मिलने के बाद पार्टी फैसला करेगी। कर्नाटक में डी के शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली चुनावी लड़ाई में, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद की सात सीटों में से पांच पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी भाजपा ने दो सीट जीतीं। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) दोनों ही दलों के विधायकों की ओर से ह्यक्रॉस-वोटिंगह्ल की गई, क्योंकि कांग्रेस उम्मीदवारों को उम्मीद से ज्यादा वोट मिले। कर्नाटक विधानसभा के सदस्यों ने विधान सौध में हुए चुनाव में मतदान किया। सात सीटों के चुनाव में आठ उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में कांग्रेस के थिप्पन्नप्पा कामकनूर, पी. वी. मोहन, बी. के. हरिप्रसाद (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष), शिवन्ना बी एस, और विनय कार्तिक प्रकाश तथा भाजपा के लिंगराज पाटिल और रघु आर और जद (एस) के गोविंदराजू शामिल हैं।

झारखंड राज्य सभा हार ने खोली पोलः इंडिया गठबंधन में गहरी हुई 'अंदरूनी कलह' की खाई

नई दिल्ली एजेंसी: विधानसभा में सत्ताधारी गठबंधन के पास संख्या बल होने के बावजूद राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को मिली करारी हार ने कांग्रेस, राजद और सीपीआई (एमएल)नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू कर दिया है। राज्यसभा चुनाव के नतीजों ने झारखंड में इंडिया गठबंधन के भीतर मौजूद अंदरूनी मतभेदों को उजागर कर दिया है। चुनाव से पहले ही उम्मीदवार चुनने और राजनीतिक तालमेल को लेकर झामुमो और कांग्रेस के बीच मतभेद साफ हो गए थे, और अप्रत्याशित नतीजों ने गठबंधन सहयोगियों के बीच रिश्तों में और तनाव पैदा कर दिया है तथा अविश्वास को और बढ़ा दिया है। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने आरोप लगाया कि झामुमो ने कांग्रेस

उम्मीदवार को पूरा समर्थन दिया, फिर भी राजद और सीपीआई (एमएल) ने गठबंधन के साथ धोखा किया। के राजू ने कहा कि हमें कांग्रेस के सभी 16 वोट और झामुमो से चार अतिरिक्त वोट मिले, जिससे हमारी कुल संख्या 20 हो गई। हालाँकि, यह नतीजा राजद और सीपीआई (एमएल) की धोखेबाजी का नतीजा है। राजू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजद ने कांग्रेस प्रभारी के बयान की कड़ी निंदा की और इसे घटिया मानसिकता का प्रतीक बताया। राजद विधायक और मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि राजद कांग्रेस की तरह धोखेबाज नहीं है और उसकी अपनी अलग पहचान है। यादव ने कहा कि मुझे अच्छी तरह पता है कि किसके कहने पर के. राजू राजद विधायकों पर ये आरोप लगा रहे हैं। उन्हें यह भी अच्छी तरह पता है कि कांग्रेस के कौन से विधायक दूसरी राजनीतिक पार्टियों के दरवाजे खटखटाने के बाद पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि राजद अपनी नीतियों और नियमों के अनुसार काम करती है; पार्टी के विधायकों के सभी चार वोट कांग्रेस को गए। यादव ने सवाल उठाया कि ङ राजू–जो अपने ही विधायकों के लगातार संपर्क में थे–यह कैसे नहीं देख पाए कि असल में अंदर क्या हो रहा था। राजद के महासचिव भोला यादव ने भी कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राजनीति में राजद कांग्रेस पर निर्भर नहीं है। भोला यादव ने कहा कि कांग्रेस को बयान देने से पहले सोचना चाहिए; दूसरों पर आरोप लगाने से पहले पार्टी को गंभीरता से आत्म-मंथन करने की जरूरत है।

नागपुर में गरजे राजनाथ सिंह, 'युद्ध में टूटती है आपूर्ति श्रृंखला, आत्मनिर्भरता ही विकल्प'

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नागपुर में यंत्र इंडिया लिमिटेड की सुविधा में 10,000 टन की अत्याधुनिक एल्युमीनियम एक्सट्रूजन प्रेस के लिए 'भूमि पूजन' किया। उन्होंने इसे आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की "बदलाव लाने वाली सोच" का प्रतीक बताया। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रोजेक्ट दिखाता है कि भारत कैसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आयातक से घरेलू निमार्ता बनने की ओर बढ़ रहा है। सिंह ने कहा यह हमारी बदलाव लाने वाली सोच का प्रतीक है। जिन जरूरतों के लिए देश को कभी बाहर देखना पड़ता था, उन्हें अब धीरे-धीरे हमारे अपने देश में हमारे अपने नागरिक ही पूरा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह जरूरी है क्योंकि हम सभी आज दुनिया के हालात देख सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय टकरावों के दौरान ग्लोबल

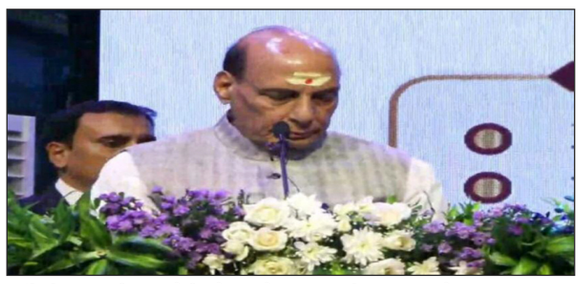

लॉजिस्टिक्स की कमजोरी को बताते हुए, रक्षा मंत्री ने स्वदेशीकरण के रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "जब युद्ध छिड़ते हैं, तो पूरी सप्लाई व्यवस्था पर असर पड़ता है। इसलिए, ऐसे समय में हर देश चाहता है कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी सभी जरूरी चीजें उसके अपने हाथों में हों और उन्हें वह खुद बनाए। भारत के रक्षा क्षेत्र में तेजी से हो रही बढ़ोतरी का ज़िक्र करते हुए, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 के बाद से देश के घरेलू रक्षा उत्पादन और निर्यात में जबरदस्त उछाल आया है। उन्होंने कहा कि हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन सिर्फ. 46,000 करोड़ रुपये था। लेकिन आज, मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी और गर्व हो रहा है कि अगर हम भारत के वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़ों को देखें, तो यह अब बढ़कर रिकॉर्ड 1,78,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। 2014 में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 1,000 करोड़ रुपये था। आज, आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस समय हम लगभग 40,000 करोड़ रुपये के हथियार निर्यात कर रहे हैं, जिन्हें कुशल कारीगरों ने भारत में ही बनाया है।

शिवसेना यूबीटी में बगावत पर भड़के आदित्य ठाकरे, बागी सांसदों को कहा- 'बेशर्मी से खुद को बेच दिया'

मुंबई एजेंसी: उद्धव गुट में जबरदस्त बगावत के बीच, आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को बागी सेना (यूबीटी) सांसदों को बेशर्म, एहसान-फरामोश और भ्रष्ट बताया। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने उन लोगों के साथ धोखा किया जिन्होंने 2024 में उन्हें जीत दिलाने में मदद की थी। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र इस गंदी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगा! उन्होंने कहा कि आपने बेशर्मी से खुद को बेच दिया है और अपनी इज्जत व परिवार के नाम को दांव पर लगा दिया है। एक्स पर उन्होंने कहा कि एक बार फिर हम गंदी राजनीति का एक चौंकाने वाला उदाहरण देख रहे हैं।

ये बेशर्म, एहसान-फरामोश और भ्रष्ट लोग जो 2024 में कुछ खास लोगों की वजह से जीते थे। अब उन्हीं को धोखा दे रहे हैं! आप चाहे कितने भी बहाने बना लें... सच तो बस एक ही है। आपने बेशर्मी से खुद को बेच दिया है। आपने न सिर्फ खुद को बेचा है, बल्कि अपनी इज्जत, अपना नाम और अपने परिवार का नाम भी दांव पर लगा दिया है। महाराष्ट्र इस गंदी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगा। बिल्कुल नहीं! इस अंधेरे में जो रोशनी लाएगा, वह हमारी 'मशाल' ही होगी। हालांकि, सत्ताधारी शिवसेना के नेताओं ने अपने सांसदों के बीच असंतोष को दूर न कर पाने के लिए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया और 'ऑपरेशन टाइगर' से अपनी पार्टी के किसी भी संबंध से इनकार किया।

'ऑपरेशन टाइगर' शब्द का इस्तेमाल महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना द्वारा ठाकरे गुट के सांसदों को अपनी तरफ मिलाने की कथित कोशिशों के लिए किया जा रहा है। गौरतलब है कि अविभाजित शिवसेना का चुनाव चिह्न (मैस्कॉट) एक बाघ था, जिसे पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे ने बनाया था।

अवैध बांग्लादेशी प्रवासी के साथ ही रोहिंग्या पर भी कसा शिकंजा, यूएन तक पहुँची बात, नो मैन्स लैंड में फँसे लोग

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात तेजी से बदल रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं ने खुलकर घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही थी। कई मंचों से अवैध बांग्लादेशियों को घुसपैठिया, दीमक और भार जैसे शब्दों से संबोधित किया गया था। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट नीति का एलान करते हुए साफ कहा कि अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजा जाएगा। इसके बाद सीमा पर कार्रवाई और तेज हो गई। हम आपको बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिम बंगाल में पड़ता है। वर्षों से यह सीमा अवैध घुसपैठ, तस्करी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए प्रवेश का रास्ता बनी हुई है। अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क पर सख्ती से प्रहार कर रही हैं। सीमा सुरक्षा

बल ने कई इलाकों में कांटेदार तार लगाने, नदी मार्गों पर निगरानी बढ़ाने और अवैध प्रवेश रोकने के लिए विशेष अभियान शुरू किए हैं। रिपोर्टों के अनुसार नदी क्षेत्रों में मगरमच्छ और जहरीले सांप छोड़ने तक की योजना बनाई गई ताकि घुसपैठियों के लिए रास्ता पूरी तरह बंद किया जा सके। इसी बीच बांग्लादेश की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ढाका ने आरोप लगाया है कि भारत कई लोगों को जबरन सीमा पार धकेल रहा है। बांग्लादेश सीमा रक्षक बल के अनुसार मई 2025 से जनवरी 2026 तक दो हजार से अधिक लोगों को भारत से बांग्लादेश में धकेला गया। इनमें कुछ भारतीय नागरिक और म्यांमार के लोग भी शामिल बताए गए। कई मामलों में सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच तनावपूर्ण हालात बन गए। कुछ परिवार कई दिनों तक नो मैन्स लैंड में फंसे रहे। हालांकि भारत मानता है कि अवैध घुसपैठ अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। सीमावर्ती राज्यों में जनसंख्या संतुलन तेजी से बदल रहा है। फर्जी आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड के जरिए लाखों बांग्लादेशी वर्षों से भारत में बसते चले गए। इससे रोजगार, संसाधनों और आंतरिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ा है। यही कारण है

जब तक जीत नहीं जाते, हम और डीएमके साथ लड़ेंगे: इंडिया गठबंधन में तनाव के बीच राहुल का स्टालिन को संदेश

राहुल गांधी ने अपने 56वें जन्मदिन पर द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन को धन्यवाद देते हुए तमिलनाडु में इंडिया गठबंधन की साझेदारी को दोहराया। यह दोहराव हालिया विधानसभा चुनावों के बाद उत्पन्न हुए तनाव के बीच आया है, जब कांग्रेस ने गठबंधन को बहुमत न मिलने पर

नई दिल्ली एजेंसी: अपने 56वें जन्मदिन पर, विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के जरिए एक अहम राजनीतिक साझेदारी को जारी रखने का संकेत दिया। उन्होंने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का शुक्रिया अदा किया और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनके साझा संकल्प पर जोर दिया। विपक्षी गठबंधन के लिए यह सार्वजनिक संदेश एक अहम मोड़ पर आया है। हालाँकि डीएमके, इंडिया गठबंधन का एक मुख्य सहयोगी बना हुआ है, लेकिन हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद से तनाव बना हुआ है। हालाँकि कांग्रेस ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के हिस्से के तौर पर चुनाव लड़ा था, लेकिन गठबंधन को बहुमत नहीं मिल पाया। नतीजों के बाद, कांग्रेस ने सरकार बनाने के लिए टीवीके को समर्थन दिया, जो 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी; इस कदम से डीएमके खेमे में बेचैनी की खबरें हैं। एक्स पर अपनी पोस्ट में, गांधी ने गठबंधन को भरोसा दिलाते हुए लिखाः "आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, थिरु एम.के. स्टालिन। भारत की

सोच, हमारे संविधान और संघवाद की रक्षा करने का हमारा साझा संकल्प हमें आगे भी राह दिखाता रहेगा - यह हमारी लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की लड़ाई है, और हम इसे जीत मिलने तक मिलकर लड़ेंगे।" तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय और द्रविड़ मुनेत्र कषगम द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल शुक्रवार को 56 साल के हो गए। विजय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल को अपना प्रिय भाई बताया और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। विजय ने लिखा, मैं आपके राहुल गांधी अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं, क्योंकि आप देश की तरक्की, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और हर वर्ग के लोगों की भलाई के लिए आवाज उठाते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कामना की कि राहुल को भविष्य में उनके सभी कामों में सफलता मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता आगे भी बेहतरीन ढंग से जनता की सेवा करते रहेंगे। वहीं, स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विपक्ष के माननीय नेता श्री राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना करता हूं। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने चेन्नई के सत्यमूर्ति भवन में प्रदेश अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई की अगुवाई में एक औपचारिक कार्यक्रम आयोजित करके राहुल का 56वां जन्मदिन

संपादकीय

टेलीग्राम पर बैन

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दशार्ता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका-ईरान युद्धः 7500 मौत, 162 लाख करोड़ का नुकसान फिर शांति विराम

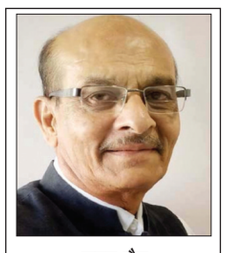

सनत जैन

मान्यता है इतिहास से सबक लिया जाता है। जो इतिहास से सबक लेते हैं, वे भविष्य में वह गलतियां नहीं करते हैं जो उनके पूर्वज कर चुके होते हैं। पर इतिहास से कोई सबक सीखता नहीं है, सभी को लगता है कि उनके पूर्वजों ने जो गलती की थी वह उनसे नहीं होगी। वह उनसे ज्यादा ताकतवर और समझदार हैं। इसलिए वह इतिहास की उन्हीं गलतियों को दोहराता है और एक बार फिर विनाश की ओर आगे बढ़ता है। विनाश के बाद विकास होने की गतिशीलता ही जन्म, मृत्यु और ब्रह्मांड को हमेशा क्रियाशील रखती है। यही कहा जा सकता है। हाल ही में अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया। अमेरिका और इजराइल यह मानकर चल रहे थे कि एक सप्ताह के अंदर इजराइल की सत्ता को पलट देंगे। वहां पर उनकी मर्जी से नया राज कायम हो जाएगा। ईरान, अमेरिका और इजराइल की मनमर्जी से चलेगा। उन्होंने ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई और उनके बड़े-बड़े नेताओं की हमले में हत्या कर दी। एक स्कूल में हमला कर 165 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी। इसके कारण जो ईरान आंतरिक असंतोष झेल रहा था, सुप्रीमो खामेनेई और बच्चियों की हत्या के बाद ईरान एकजुट हो गया और उसने अमेरिका और इजराइल से पिछले 47 वर्षों में उसके साथ जो अत्याचार हुए थे इसका बदला लेने के लिए डू एंड डाई की स्थिति में आ गए।

अमेरिका और इजराइल की दादागिरी को उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति और अपने जीवन को बचाने के लिए जिस तरह की लड़ाई लड़ी है उससे सारी दुनिया हैरान है। अमेरिका, ईरान युद्ध में अभी तक 7500 से ज्यादा मोतें हो चुकी हैं। 110 दिन चले इस युद्ध में जमीन पर फौज ने लड़ाई नहीं लड़ी है। सारी लड़ाई ड्रोन और मिसाइल के माध्यम से लड़ी गई। इसमें लगभग 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। पिछले कई दशकों में जो विकास हुआ था वह सब विनाश में तब्दील हो गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो अपने आपको सुपर हीरो मानकर चल रहे थे इस 110 दिन की लड़ाई में उनके हाथ कुछ नहीं लगा। इससे जो उनकी अजेय होने साख बनी हुई थी वह समाप्त हो गई। इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी कल्पना कभी उसने नहीं की थी। गाजा में जिस तरह से महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह से मारा गया था, ऐसा नरसंहार दुनिया के लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। लगता है ईश्वर ने उनके अहंकार और स्वयं को ईश्वर मानने की जो गलती की थी उसका दंड दिया है।

इस युद्ध में वैसे तो भारत का कोई लेना-देना नहीं था लेकिन जिस तरह से भारत ने अमेरिका और इजराइल का समर्थन किया है। गाजा के मामले में चुप्पी साधे रखी। इजराइल को भारत के प्रधानमंत्री ने अपना फादर लैंड बता दिया। इसकी कीमत भारत को भी चुकानी पड़ रही है। भारत ने जहां ईरान जैसे पड़ोसी देश जो हर सुख-दुख में भारत के साथ होता था उसको खो दिया है। भारत की जनता को भी इस युद्ध का नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध कोई भी हो यह सिवाय विनाश के कुछ नहीं देता है। भारत में भी महाभारत युद्ध का एक इतिहास है। भगवान कृष्ण के होते हुए वह कौरवों से पांडवों को पांच गांव नहीं दिला पाए थे। युद्ध हुआ ना कौरव के हाथ कुछ लगा ना पांडवों के हाथ कुछ लगा। विनाश इतना बड़ा हुआ जिसका उल्लेख धर्म शास्त्रों में होने के बाद भी भारत पहली बार इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल के साथ खड़ा रहकर एक तरह से पाप का भागी बन गया है। इसकी कीमत भारत की जनता को भी चुकानी पड़ रही है। बहरहाल जो भी घटनाएं होती हैं, उनसे सबक लिया जा सकता है। अभी भी यूक्रेन और रूस के बीच में रोजाना हमले हो रहे हैं। भारी तबाही हो रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के इस युद्ध से यदि रूस और यूक्रेन कोई सबक ले लें और शांति विराम की पहल करें तो यह बहुत अच्छा कदम होगा। दुनिया के सभी देशों को इस युद्ध से सबक लेने की जरूरत है। यही कहा जा सकता है।

निर्णय लेने में ज्यादातर फिसड्डी क्यो रहती है कांग्रेस!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड कांग्रेस में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर कार्यकताओं का इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। कई बार जल्द घोषणा के संकेत मिलने के बावजूद अब तक हाईकमान की अंतिम मंजूरी नहीं मिल सकी है। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल पुरानी टीम के साथ संगठन का काम चला कर रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने देहरादून पहुंचने पर स्पष्ट किया था कि राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे के बाद नई पीसीसी कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।लेकिन राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा खराब मौसम के चलते रद्द हो गया ,हालांकि उन्होंने वर्चुअल सम्बोधन कर कार्यकर्ताओ का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की।प्रदेश प्रभारी शैलजा ने कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है और संगठन को मजबूत बनाने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

कांग्रेस हाईकमान प्रदेश संगठन की छोटी और प्रभावी टीम बनाकर नेताओं की जिम्मेदारियां तय करना चाहता है। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं द्वारा अपने समर्थकों के नामों की लंबी सूची भेजे जाने के कारण कार्यकारिणी के गठन पर अंतिम फैसला अभी तक नहीं हो पाया है।कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी का वर्चुअल भाषण कांग्रेस कार्यकताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर गया है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस को उम्मीद है कि राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता से संगठन को मजबूती मिलेगी।प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आमंत्रित तो किया जा रहा है, लेकिन व्यवस्थाओं के मामले में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने दावा किया कि जनता इस बार सरकार को जवाब देगी। प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि राहुल के उदबोधन से संगठन को नई दिशा मिली है और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को मजबूती प्राप्त हुई।लेकिन सवाल यह उठता है कि कांग्रेस समय से क्यो नही अपने निर्णय ले पाती।चाहे चुनाव में टिकट देने का मामला हो या फिर कार्यकारिणी गठन का मुद्दा कांग्रेस निर्णय लेने में ज्यादातर देरी ही करती है।साथ ही जमीन से जुड़े निष्ठावान कार्यकर्ताओ के बजाए अवसरवादी आगे आकर कांग्रेस के चुनाव परिणामों को गुड़ गोबर कर देते है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनोतियाँ साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन कहा जा सकता है।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है।दो बार के विधायक गणेश गोदियाल, जिन्हें कभी हरीश रावत का करीबी माना जाता था,का पुनः पदारूढ़ होने से उम्मीद है कि वे हरीश रावत को अपने से भी आगे करके चलेंगे। 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले वह राज्य में कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके है, लेकिन उनके चुनाव हारने के बाद उनकी जगह करन माहरा को दे दी गई,परन्तु कांग्रेस कोई चमत्कार नही कर पाई।

हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है।जब कांग्रेस उत्तराखंड में सत्ता में थी, तब भी हरीश रावत लगातार संघर्षों में फंसे रहे, पहले एन.डी. तिवारी को उनका हक दे दिया गया,जिससे टकराव की स्तिथि बनी रही और बाद में मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को बनाकर फिर से हरीश रावत को किनारे करने की कोशिश की गई।लेकिन प्राकृतिक आपदा में विजय बहुगुणा के फेल हो जाने के कारण उनकी जगह सन 2014 में हरीश रावत को मुख्यमंत्री पद पर रिप्लेस किया गया।यह बदलाव उस समय आया जब विजय बहुगुणा पर जून 2013 की केदारनाथ आपदा से निपटने को लेकर भारी आलोचना हो रही थी क्योंकि आपदा के समय विजय उत्तराखंड के बजाए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे।

पिछले दिनों करन माहरा को सीडब्ल्यूसी और प्रीतम सिंह को सीईसी में शामिल किया जाना, कांग्रेस हाईकमान द्वारा राज्य में प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, इसे हरीश रावत को उनकी नाखुशी के बावजूद केंद्रीय नेतृत्व से जोड़कर रखने की रणनीति भी माना जा रहा है।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई ठोस दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है।ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। कांग्रेस ही नही अन्य राजनीतिक दलों को भी उत्तराखंड के इस सर्वमान्य नेता का सम्मान करना चाहिए।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में ह्यआयाराम गयारामह्न का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है।

टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की ख?ीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है।

दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं?

चिंतन-मनन

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-खास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-खास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा। ईश्वर ने प्रसाद भेजा है और इस ईश्वरीय प्रसाद को खा कर (क्योंकि जो अन्न हम खाते हैं उससे न केवल हमारा शरीर बनता है बल्कि हमारे मन का भी तो निर्माण इसी से होता है) मेरे मन में ईश्वरीय प्रेम निश्चित तौर पर बढ़ेगा। तो वह आम से प्रार्थना कर रही हैं कि, जब तू मेरे भीतर जाए तो मेरे भीतर प्रेम बढ़े। जिस प्रभु ने तेरे शरीर को बनाया है मेरे शरीर के लिए, तो जब तू मेरे भीतर जाए तो उस ईश्वर के प्रति मेरे प्रेम को और गहरा कर देना। खयाल रहे, कोई अकलमंद आदमी इस कहानी को सुने तो शायद कहे कि यह औरत तो पागल लगती है, आम से बात कर रही है। वह पेड़, फल से चर्चा नहीं कर रही है, उस आम के भीतर भी मौजूद भगवत्ता को और अपने भीतर भी उस भगवत्ता को महसूस करते हुए अपने मन को उस स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां छोटे से छोटा काम भी ईश्वर स्मरण के बगैर नहीं किया जा रहा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

केंद्र के 12 वर्ष पूर्ण होने पर अमरोहा में विकास प्रदर्शनी व प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ

प्रभारी मंत्री गुलाब देवी बोलीं- शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य पर सरकार का पूरा ध्यान

जनप्रतिनिधियों ने स्टॉलों का किया अवलोकन, सेल्फी प्वाइंट पर ली सेल्फी

अमरोहा (सब का सपना):- सुशासन को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को विकास भवन परिसर में ह्यविकास प्रदर्शनीह्न, प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मंत्री एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, विधायक धनौरा राजीव तरारा, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ व मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सर्वप्रथम सीडीओ व अन्य अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री व जनप्रतिनिधियों को बुके देकर सम्मानित किया। प्रभारी मंत्री व जनप्रतिनिधियों ने विकासपरक योजनाओं पर आधारित कृषि, स्वास्थ्य, महिला कल्याण, उद्यान, बाल विकास, खादी ग्रामोद्योग, पंचायती राज, समाज कल्याण, पीएम सूर्यघर, कौशल विकास, उद्योग व एनआरएलएम समूह के स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किट, मिनी किट, उड़द-मूंग की मिनी किट, मुख्यमंत्री आवास योजना की चाबी व प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सेल्फी प्वाइंट पर प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व लाभार्थियों ने सेल्फी ली। इसके बाद मंत्री जी ने अमृत उद्यान में पौधरोपण भी किया। प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि सरकार शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। हम प्रकृति से अलग हो चुके हैं, जबकि हमारा शरीर भी प्रकृति से बना है। जल्दबाजी में दो काम न करें- भगवान का स्मरण और भोजन।ह्व उन्होंने प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए कहा कि देसी खाद का प्रयोग करें, फर्टिलाइजर्स का कम से कम इस्तेमाल करें। महिलाओं से अपील की कि बच्चों में संस्कार व आध्यात्मिकता लाएं और मोबाइल के गलत उपयोग से बचाएं। भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी ने कहा कि 12 साल विकास, विश्वास व जन कल्याण के हैं। किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि जैविक खेती से आय दोगुनी होगी। गोबर खाद व प्राकृतिक खाद का उपयोग करें। विधायक धनौरा राजीव तरारा ने कहा कि पहले योजनाएं सिर्फ औपचारिक होती थीं, अब धरातल पर हैं। पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना से किसान लाभान्वित हो रहे हैं। मोटा अनाज सेहत के लिए जरूरी है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विकास प्रदर्शनी में राम जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकुंभ, आयुष्मान भारत, जनधन योजना, मुद्रा योजना, पीएम सूर्यघर, जल जीवन मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित केंद्र व प्रदेश की योजनाओं को आकर्षक तरीके से दशार्या गया। गंगा एक्सप्रेस-वे, पुलिस लाइन, जिला सैनिक कल्याण विभाग का नया परिसर, मैंगो पैक हाउस आदि जनपद की उपलब्धियां भी प्रदर्शित की गईं। जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी की सराहना की। इस अवसर पर जिला प्रभारी राजीव सिसौदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश कुमार त्यागी, मोमराज गुर्जर, पूर्व विधायक संगीता चौहान, ब्लाक प्रमुख गुरिंदर सिंह, ब्लाक प्रमुख ममता गुर्जर, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार समेत अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म व जबरन गर्भपात का आरोप, माँ-बेटी 24 दिन से लापता

चाचा ने CO हसनपुर को दिया प्रार्थना पत्र, दो युवकों व डॉक्टर पर गंभीर आरोप

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रहरा थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 वर्षीय नाबालिग के साथ गंभीर अपराध कर अवैध गर्भपात कराने और फिर माँ-बेटी को गायब करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के चाचा ने सोमवार को क्षेत्राधिकारी हसनपुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज करने व दोनों की तत्काल बरामदगी की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार थाना क्षेत्र रहरा के एक गांव निवासी दो सगे भाई पिछले कुछ दिनों से रात के समय पीड़िता के घर आते-जाते थे। परिजनों के रोकने के बावजूद उनका आना-जाना जारी रहा। आरोप है कि दोनों भाइयों ने नाबालिग के साथ गलत हरकत की, जिससे वह गर्भवती हो गई। इसके बाद आरोपियों ने रहरा कस्बे के एक निजी क्लीनिक पर पीड़िता का अवैध रूप से गर्भपात करा दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि घटना उजागर होने के डर से आरोपियों ने 23 मई 2026 को पीड़िता व उसकी माँ को धमकाकर गांव से भगा दिया। तब से दोनों का कोई पता नहीं चल सका है। शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि एक आरोपी का स्थानीय थाने पर प्रभाव है, जिसके चलते अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही आरोप है कि उक्त डॉक्टर द्वारा पहले भी अवैध गर्भपात किए जा चुके हैं। पीड़ित परिवार ने बालिका व उसकी माँ की जान को खतरा बताते हुए पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वहीं इसी मामले को लेकर एक ऑडियो वायरल भी बताया जा रहा है। ऑडियो में दो युवकों को आपस में बातचीत करते हुए सुना जा सकता है जिसमें वह यह कह रहे हैं कि लड़की को हम लेकर आ रहे हैं जो भी करना है इसी रात करना है। यही रात मिलेगी तो वहीं दूसरी तरफ से युवक कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि इसमें कम से कम 12 से 24 घंटे का समय लगता है। ऑडियो में दोनों युवक बात करते हुए घबराए हुए भी महसूस हो रहे हैं युवक कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि इसमें फंसने का खतरा तो नहीं है तो वही दूसरा युवक ऑडियो में कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि आप चिंता ना करें मैं सब कुछ संभाल लूंगा केवल आप इस काम को निपटा दो। दोनों युवकों की बातचीत लगभग 1 मिनट 47 सेकंड होती है। हालांकि नाबालिग के लिए उस ऑडियो में अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया है। सब का सपना समाचार पत्र वायरल ऑडियो की पुष्टि नहीं करता। साथ ही सवाल यह भी उठता है कि आखिर इस ऑडियो में बात करने वाले लोग कौन हैं। लेकिन वहीं दूसरी तरफ इस संबंध में थाना प्रभारी रहरा से फोन पर वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद नाबालिग की मां से बातचीत की गई है।

मां ने सभी आरोपों को गलत बताया है और कहा है कि उनके ही परिवार के एक सदस्य द्वारा माँ-बेटी के घर को कब्जाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जनपद भर में धड़ल्ले से हो रही अवैध प्लॉटिंग, कार्रवाई के बाद भी बाज नहीं आ रहे भूमाफिया

तहसील हसनपुर क्षेत्र के बूरावली, रहरा, आदमपुर, ढवारसी बने मुख्य केंद्र

ग्रामीणों को धोखे में रखकर बेचे जा रहे अवैध प्लॉट, बिना नक्शा पास हो रहा खेल

कृषि योग्य भूमि को बनाया जा रहा बंजर, हरे पेड़ों पर चल रहा आरा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद भर में अवैध प्लॉटिंग का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। तहसील हसनपुर क्षेत्र के बूरावली, रहरा, आदमपुर, ढवारसी अवैध प्लॉटिंग के मुख्य केंद्र बन गए हैं। कार्रवाई के बावजूद भूमाफिया बाज नहीं आ रहे हैं। जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। भू-माफिया ग्रामीणों को धोखे में रखकर बिना ले-आउट पास कराए अवैध कॉलोनियां काट रहे हैं और प्लॉट बेच रहे हैं। न सड़क, न नाली, न बिजली-पानी की कोई व्यवस्था। फिर भी लोगों को सस्ते प्लॉट का लालच देकर रजिस्ट्री कराई जा रही है। खरीददार बाद में नक्शा पास कराने और मकान बनाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटते रह जाते हैं। भू-माफिया कृषि योग्य उपजाऊ भूमि को बंजर बनाने में लगे हैं। खेतों में मिट्टी डालकर समतल किया जा रहा है। हरे-भरे पेड़ों पर खुलेआम आरा चलाकर जमीनों में अवैध प्लॉटिंग की जा रही है। इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। राजस्व विभाग और वन विभाग सब कुछ जानते हुए भी कार्रवाई से बच रहा है। कॉलोनाइजर ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर कहते हैं कि ह्यजल्द ही कॉलोनी अप्रूव हो जाएगी। कुछ जगह तो स्टांप पर ही सौदा कर लिया जाता है। बाद में पता चलता है कि जमीन कृषि भूमि है और उस पर आवासीय निर्माण अवैध है। जिले में दर्जनों जगह खुलेआम अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही हैं। दिन-रात जेसीबी चल रही हैं, बाउंड्री हो रही है, लेकिन प्रशासन की टीम मौके पर नहीं पहुंचती। ग्रामीणों का आरोप है कि मिलीभगत के चलते कार्रवाई नहीं हो रही। नियमों के मुताबिक बिना ले-आउट स्वीकृत कराए प्लॉटिंग करना, कृषि भूमि का भू-उपयोग परिवर्तन कराए बिना आवासीय प्रयोग करना और बिना विकास शुल्क जमा किए कॉलोनी काटना पूरी तरह अवैध है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि जनपद में चल रही अवैध प्लॉटिंग की जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और भोले-भाले ग्रामीणों को धोखाधड़ी से बचाया जाए। हालांकि जब इस पूरे मामले को लेकर एसडीएम हसनपुर से फोन पर बातचीत की गई तो उन्होंने कहा की कार्यवाही लगातार की जा रही है आज भी तीन जगह बुलडोजर चलाया गया है अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया है आगे भी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी उन्होंने बताया कि सभी सर्किल लेखपालों को नोटिस जारी किए गए हैं। किसी भी कीमत पर अवैध प्लाटिंग नहीं होने दी जाएगी।

मुहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस अकीदत व एहतराम के साथ निकाला गया

अमरोहा (सब का सपना):- गमगीन फि जा और नम आँखों के दरमियान 3 मुहर्रम का ऐतिहासिक और पारंपरिक जुलूस इमामबारगाह वालिया पचदरा से पूरी अकीदत के साथ निकाला गया। कर्बला के शहीदों की याद में निकाले गए इस जुलूस में चारों तरफ 'या हुसैन, या हुसैन' की सदाएं गूंजती रहीं। इमामबारगाह से शुरू होकर यह जुलूस बेहद सलीके और तरतीब के साथ शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गुजरा। जुलूस का गश्त बेहद प्रभावमयी था, जिसमें अजादारी की पुरानी रिवायतों की झलक साफ देखने को मिली। जुलूस में सबसे आगे ऊँटों का एक विशाल काफिला चल रहा था, जो कर्बला के ऐतिहासिक सफर की याद दिला रहा था। काफिले के ठीक पीछे खूबसूरत आराइश और हुसैनी बाजे की मातमी धुनें माहौल को और अधिक गमगीन बना रही थीं। जुलूस में शामिल पवित्र आलम मुबारक, शबीह-ए-ताबूत और इमाम हुसैन के वफादार घोड़े की शबीह 'जुल्जनाह' के दीदार के लिए अजादारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।जुलूस के दौरान अजादार और आम लोग खसूसी नौहे पढ़ रहे थे। जिसमें कर्बला के मजलूमों के मसाब (दुख) सुनकर हर आँख नम थी। नौहाख्वानी के साथ-साथ अजादारों ने इमाम बारगाह में सीनाजनी (मातम) की, जिससे पूरा माहौल 'हुसैन हुसैन हुसैन' की गूंज से लबरेज हो गया। इस ऐतिहासिक जुलूस में अकीदतमंदों की बहुत बड़ी संख्या ने शिरकत की। स्थानीय लोगों के अलावा, देश के विभिन्न हिस्सों से आए जायरीन और बड़ी संख्या में विदेशी अजादारों ने भी जुलूस में शामिल होकर अपनी अकीदत के फूल पेश किए। जुलूस को सफल और शांतिपूर्ण निकालने में ज़िला मजिस्ट्रेट, अमरोहा द्वारा मोहर्रम कार्यक्रम आयोजन हेतु तदर्थ कमेटी के सदस्य ज़िया एजाज, लियाकत अली, बाकर रजा नकवी,नदीम नकवी, शहजाद रजा, कासिम जैदी का सहयोग रहा। तथा जुलूस का संचालन 'अंजुमन रजाकारान-ए-हुसैनी' द्वारा किया गया। इस मौके पर संस्था के पदाधिकारियों और शहर की प्रमुख हस्तियों ने मुस्तैदी से अपनी ज़िम्मेदारियां निभाई, जिनमें मुख्य रूप से खुर्शीद जैदी (जनरल सेक्रेटरी),गुलाम सज्जाद (काइद) इमदाद आबिदी (नायब काइद) डॉ. चंदन नकवी, इकबाल खां सैयद मुज्तबा,जाफर रजा,दायम रजा, खुर्रम हसन,शाने मुज्तबा ,संचालन कर रहे थे। इनके अलावा अंजुमन के अन्य वालंटियर्स, सामाजिक कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में अजादार जुलूस के आखिर तक साथ चलते रहे। सिकंदर रजा मुत्तवल्ली प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से जुलूस अपने मुकर्ररा रास्तों से होता हुआ शांतिपूर्ण ढंग निश्चित समय पर संपन्न हुआ।

लॉ स्टूडेंट्स की अनूठी पहल, वन स्टॉप सेंटर एवं वृद्धाश्रम में इंटर्नशिप के माध्यम से समाज सेवा का संदेश

अमरोहा (सब का सपना):- कानूनी शिक्षा को समाज सेवा से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए लॉ स्टूडेंट्स द्वारा जनपद अमरोहा में वन स्टॉप सेंटर एवं वृद्धाश्रम में विशेष इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें सामाजिक सरोकारों, मानवीय संवेदनाओं एवं जमीनी स्तर पर संचालित कल्याणकारी योजनाओं से परिचित कराना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा प्रभारी सचिव चेतना सिंह ने कहा कि ऐसी इंटर्नशिप विद्यार्थियों को कानून की व्यावहारिक जानकारी देने के साथ-साथ समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का भी बोध कराती हैं। उन्होंने कहा कि विधिक शिक्षा का उद्देश्य केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सहायता पहुंचाना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूक रहने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम वन स्टॉप सेंटर का भ्रमण किया, जहां उन्हें महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा पुनर्वास संबंधी सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर घरेलू हिंसा, उत्पीड़न एवं अन्य कठिन परिस्थितियों से जूझ रही महिलाओं को एक ही स्थान पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का कार्य करता है। विद्यार्थियों ने केंद्र की कार्यप्रणाली को निकटता से समझा तथा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जाना। इसके पश्चात लॉ स्टूडेंट्स ने वृद्धाश्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय व्यतीत किया और उनके जीवन अनुभवों को सुना। विद्यार्थियों ने बुजुर्गों से संवाद स्थापित कर उनका हालचाल जाना तथा उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। वृद्धाश्रम में मौजूद बुजुर्गों ने अपने जीवन के संघर्ष, अनुभव और सामाजिक मूल्यों से जुड़ी अनेक प्रेरणादायक बातें साझा की गई, जिन्हें सुनकर विद्यार्थी भावुक भी हुए और प्रेरित भी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कहा कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, प्रेम और संवेदनशीलता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने यह भी अनुभव किया कि कानून का वास्तविक उद्देश्य केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर, पीड़ित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता पहुंचाना भी है। वन स्टॉप सेंटर और वृद्धाश्रम के भ्रमण ने उन्हें समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों की रुचि और सहभागिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की इंटर्नशिप युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, मानवीय संवेदनशीलता और सेवा भावना का विकास करती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विद्यार्थी समाज कल्याण से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। लॉ स्टूडेंट्स ने कहा कि यह इंटर्नशिप उनके लिए एक यादगार एवं प्रेरणादायक अनुभव रही। इससे उन्हें कानून की पढ़ाई के साथ-साथ समाज की वास्तविक परिस्थितियों को समझने का अवसर मिला। उन्होंने संकल्प लिया कि ये भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण, वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान तथा सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यों में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, बल्कि समाज में जागरूकता, सेवा भावना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में भी एक उल्लेखनीय कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक जयवीर सिंह, आशु देशवाल, एलएडीसीएस के कर्मचारी आकाश तोमर व वसीम अहमद उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में 11 वर्षीय बच्चे के साथ कुकर्म का मामला, बच्चे को जंगल में ले जाकर दिया घटना को अंजाम

गांव में फैले तनाव के चलते मौके पर पुलिस बल तैनात

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 11 वर्षीय बच्चों के साथ कुकर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक पड़ोसी युवक द्वारा बच्चों को बहला फुसलाकर वह जंगल में ले गया और उसके साथ कुकर्म की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से पूरे गांव में तनाव फैला हुआ है जिसके चलते मौके पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। बता दें कि पूरा मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र स्थित एक गांव का है जहां पर एक बालक अपने घर के बाहर खेल रहा था इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला एक युवक बच्चों के पास आया और उसको घूमाने के बहाने से अपने साथ जंगल में एक सुनसान जगह पर ले गया।आरोप है कि युवक ने वहां बालक के साथ कुकर्म किया और उसे धमकी देकर मौके से फरार हो गया। मासूम बालक रोते-बिलखते हुए किसी तरह अपने घर पहुंचा। उसकी हालत देखकर परिजनों के होश उड़ गए। पूछने पर पीड़ित ने रोते हुए अपने परिजनों को पूरी आपबीती सुनाई।जैसे ही यह बात ग्रामीणों को पता चली, पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया।

मामला अलग-अलग समुदाय से जुड़ा होने के कारण गांव में दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई। एहतियातन गांव में सतर्कता बढ़ा दी गई है।सीओ सिटी डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित के परिजनों की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद से आरोपी गांव छोड़कर फरार है। पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनपद में सात मोबाइल पशु चिकित्सा वैन देंगी इमरजेंसी सेवाएं

अमरोहा (सब का सपना):- पशुपालन विभाग ने जिले में पशु चिकित्सा सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब जिले की सभी सात मोबाइल पशु चिकित्सा वैन (मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट) पूर्व निर्धारित गांवों में ओ.पी.डी. सेवाएं देने के साथ-साथ इमरजेंसी मामलों में भी तत्काल पहुंचेंगी। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विकास खंड के पार्किंग स्टेशन से मोबाइल वैन प्रतिदिन निर्धारित गांवों में शिविर लगाकर पशु चिकित्सा, टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान, बधियाकरण तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएगी। किसी पशुपालक द्वारा टोल फ्री नंबर 1962 पर इमरजेंसी कॉल करने पर निकटतम वैन तुरंत मौके पर पहुंचकर उपचार करेगी।पहले आधी वैनें केवल ओ.पी.डी. के लिए और शेष केवल इमरजेंसी के लिए होती थीं। अब सभी वैनें दोनों सेवाएं देंगी। यह व्यवस्था प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक चलेगी। प्रत्येक वैन का क्षेत्र जियो-टैगिंग से निर्धारित किया जाएगा, जिससे समय और ईंधन की बचत होगी।मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आभा दत्त ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में मोबाइल वेटेरिनरी यूनिट की सेवाओं की मांग बढ़ी है। इसी को देखते हुए शासन के निर्देश पर यह नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे पशुपालकों को बेहतर और त्वरित पशु चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

विकास प्रदर्शनी व प्राकृतिक खेती कार्यशाला का दूसरा दिन संपन्न, लाभार्थियों को मिली आवास की चाबियां

बहजोई/संभल(सब का सपना):- केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को बहजोई स्थित डी.आर. रिसॉर्ट में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरेन्द्र सिंह रिंकू और पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री मंजू दिलेर मौजूद रहीं। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। प्राकृतिक खेती कार्यशाला में किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने, रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग से बचने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने का संदेश दिया गया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबियां वितरित की गईं तथा प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई और आर्थिक स्वावलंबन के अनुभव साझा किए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विकास कार्यों और महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी राम आशीष सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत शुक्रवार को जनपद संभल में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम से जुड़ी महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों और चौपालों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान महिला संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर भी जागरूक किया गया। अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं और छात्राओं से संवाद किया। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी तथा उनके उपयोग का तरीका भी समझाया। जागरूकता अभियान के दौरान वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एंबुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर तत्काल इन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के साथ-साथ उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराना है।

दहेज के लिए बेटी की हत्या का आरोप, पति व ससुर पहुंचे सलाखों के पीछे

बनियाठेर/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में दहेज हत्या के दर्ज मुकदमे में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को पीड़िता पूनम पत्नी स्वर्गीय वीर सिंह, निवासी ग्राम नीमरी, थाना बिलारी, जनपद मुरादाबाद ने थाना बनियाठेर में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी 22 वर्षीय पुत्री की 14 जून को उसके पति और अन्य ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया तथा बाद में उसकी हत्या कर दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना बनियाठेर में दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बनियाठेर पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए मुकदमे में वांछित अभियुक्त रघुवीर पुत्र लेखराज तथा यशपाल पुत्र रघुवीर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपितों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

कूड़ा डालने के विवाद में महिला की मौत, बीच-बचाव के दौरान सीने पर लगी ईंट

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली चंदौसी क्षेत्र के ग्राम मई में कूड़ा डालने को लेकर हुए विवाद में बीच-बचाव करने पहुंची एक महिला की सीने पर ईंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है, जबकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम ग्राम मई निवासी चमन पत्नी मल्लू उर्फ फारुख (42 वर्ष) को उनके परिजन, जिनमें जब्बार पुत्र सुलेमान भी शामिल थे, मृत अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई लेकर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि चमन की मौत गांव में हुए झगड़े के दौरान लगी चोट के कारण हुई है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने वीडियो बयान जारी कर बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चमन की बेटी का पड़ोसियों से कूड़ा डालने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर चमन बीच-बचाव करने पहुंचीं, तभी उनके सीने पर ईंट लग गई। गंभीर चोट लगने से उनकी मृत्यु हो गई। सूचना मिलने पर चंदौसी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले की गहन जांच जारी है।

मंडी धनौरा में डिजिटल रजिस्ट्री को लेकर अधिवक्ताओं का पुरजोर प्रदर्शन, नारेबाजी कर जताया रोष

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा तहसील परिसर में शुक्रवार को डिजिटल ई-रजिस्ट्री को लेकर अधिवक्ताओं ने अपना आंदोलन और भी तेज कर दिया है उन्होंने विरोध जताते हुए भीषण गर्मी में रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर बैठकर और रोष व्यक्त किया और जमकर नारेबाजी की। इस दौरान अधिवक्ताओं ने रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर भारी संख्या में बैठकर सरकार की इस नई योजना के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। बता दें कि आंदोलन के बीच बार सभागार में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता (एडवोकेट) की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इसमें महानिदेशक निबंधन, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) द्वारा प्रस्तावित डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था के दूरगामी परिणामों पर विस्तृत चर्चा की गई।वक्ताओं ने बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही यह डिजिटल ई-रजिस्ट्री व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है। अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के कम पढ़े-लिखे लोगों को तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण ग्रामीणों के साथ धोखाधड़ी की आशंका भी बढ़ेगी।बैठक में मौजूद सभी अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से इस योजना का कड़ा विरोध करने और आंदोलन को जारी रखने का निर्णय लिया।इस अवसर पर विनोद कुमार शास्त्री, मूलचंद त्यागी, सहदेव भारती, भरत सिंह सैनी, शिवकुमार सैनी, जयप्रकाश सैनी, ओमवीर सैनी, हितेश टोनिया, राजपाल सिंह, आलोक भारती, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनवाज सैफी, विकास कुमार, लवकुश, अनिल भटनागर, सर्वेश शर्मा, संदीप गुप्ता, वरुण ढिल्लों, जितेन्द्र गिल, प्रदीप अग्रवाल, चौधरी अली रफी, मदनपाल सैनी, धर्मेंद्र लखमीचंद, सिद्धार्थ यादव, कपिल अग्रवाल और विपिन एडवोकेट सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मंडी धनौरा में युवक के नहर में कूदने की झूठी सूचना से पुलिस व प्रशासन घंटों रहे परेशान

हरिद्वार में सकुशल मिला युवक,सीसीटीवी से सामने आया मामला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र स्थित नहर में एक युवक के कूदने की झूठी सूचना से पुलिस प्रशासन एवं एनडीआरएफ की टीम रात भर परेशान रही, उधर पुलिस प्रशासन भी घंटों तक परेशान रहा। मामले की हकीकत उस समय सामने आई जब नहर में डूबने वाले युवक को हरिद्वार में एक सीसीटीवी कैमरे में सकुशल घूमता हुआ पाया गया। बता दें कि यह घटना गुरुवार देर शाम की है। मोहनपुर निवासी एक ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दी कि उसका पुत्र मोनू (पुत्र जयपाल सिंह) रामगंगा पोषक नहर में कूद गया है। नहर किनारे मोनू की बाइक और मोबाइल फोन लावारिस हालत में मिले थे, जिससे परिजनों की आशंका और बढ़ गई।सूचना की गंभीरता को देखते हुए मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह, एसडीएम शैलेश कुमार दुबे और तहसीलदार मूसराम थारू भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। राजस्व टीम से लेखपाल आदर्श मांगट, रमेश सैनी और योगेश पाल भी राहत कार्य में शामिल हुए। नहर का पानी गहरा होने के कारण एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया और बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारी और परिजन पूरी रात नहर किनारे मौजूद रहे।रात भर चले तलाशी अभियान के बाद शुक्रवार को मामले में नया मोड़ आया। पुलिस की जांच टीम को मिले इनपुट के आधार पर छानबीन की गई। इसी दौरान उत्तराखंड के हरिद्वार क्षेत्र के गैंडीखाता में लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज सामने आई। इस फुटेज में वही मोनू स्पष्ट रूप से घूमता हुआ दिखाई दिया, जिसे नहर में डूबा हुआ माना जा रहा था।मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। धनौरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को हरिद्वार के गैंडीखाता क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि युवक ने नहर में कूदने का यह नाटक क्यों रचा था।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर अमरोहा पुलिस की सख्ती, 248 वाहनों के किए गए चालान

मोडिफाइड साइलेंसर, बिना हेल्मेट, तीन सवारी पर कार्रवाई, 5.75 लाख का लगाया जुमार्ना

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुरुवार को यातायात पुलिस ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। विशेष रूप से पटाखों जैसी तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विपरीत व दोषपूर्ण नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग तथा वाहनों पर जातिसूचक शब्द अंकित कर नियम तोड़ने वालों को चिन्हित किया गया। इस विशेष अभियान में यातायात नियम तोड़ने वाले कुल 248 वाहनों के चालान किए गए। इन पर कुल 5,75,500 का सम्मन शुल्क आरोपित किया गया। इसके अलावा शहर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमण को हटवाकर आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा दी गई। यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा चालकों के लिए भी विशेष जागरूकता अभियान चलाया। सभी ई-रिक्शा चालकों को सुरक्षा की दृष्टि से अपने ई-रिक्शा के दोनों ओर जाली लगवाने के निर्देश दिए गए। साथ ही यात्री सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में जानकारी दी गई।

अमरोहा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। निर्धारित गति सीमा में चलें, हेल्मेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

आगामी मोहर्रम जुलूस के मद्देनजर शहर में लटके तारों को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों ने सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में आगामी त्योहार मोहर्रम के जुलूस के मद्देनजर शहर में नीचे लटके तारों को ऊपर व्यवस्थित करने के हेतु मुस्लिम समाज के लोगों ने शुक्रवार को बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी (एसडीओ) राजन सिंह को एक ज्ञापन सौंपा। इस पर विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी (एसडीओ) राजन सिंह ने उनको इस मामले में त्वरित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी राजन सिंह को ज्ञापन के माध्यम से मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया गया कि 23 जून 2026 को नगर में अंजुमन के तत्वावधान में मोहर्रम का मुख्य जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस मार्ग पर कई स्थानों पर बिजली के तार काफी नीचे लटके हुए हैं। इनमें घरेलू और दुकानों के कनेक्शन के साथ-साथ मुख्य आपूर्ति (मेन लाइन) के हाई-वोल्टेज तार भी शामिल हैं।सभासद इरशाद अंसारी ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इन लटके तारों से जुलूस के दौरान गंभीर दिक्कतें आ सकती हैं और किसी दुर्घटना की आशंका है। उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर तारों को ऊंचा करने या जुलूस के समय इस मार्ग की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद करने की मांग की।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विद्युत उपखंड अधिकारी (SDO) राजन सिंह ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि विभाग जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर जल्द से जल्द तारों को ठीक कराएगा, ताकि मोहर्रम के दौरान कोई असुविधा या दुर्घटना न हो।इस अवसर पर सोनम सैफी, शहजाद, नफीस, जुबैर, फैसल सैफी, फारुक, शादाब, अनीस, अफजाल सैफी, इसस्वदीन, टिल्लू, दिलवरी वारसी, चुन्नू, उवेश अंसारी, समीर सहित कई मुस्लिम समुदाय के सदस्य और नगरवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया, राहुल गांधी का जन्मदिन

असमोली/संभल(सब का सपना):- विधानसभा के ग्राम राया बुजुर्ग स्थित कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का जन्मदिन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। सभी ने केक काटकर जन्मदिन की खुशियां साझा कीं तथा लड्डू और शरबत वितरित कर एक-दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए कहा कि उन्होंने देश में युवाओं, किसानों, मजदूरों और आम जनता के मुद्दों को लगातार प्रमुखता से उठाया है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों पर मजबूती से संघर्ष कर रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा असमोली-32 के पूर्व कांग्रेस विधायक प्रत्याशी एवं एआईसीसी सदस्य हाजी मरगूब आलम ने कहा कि राहुल गांधी देश के करोड़ों लोगों के विश्वास के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता उनके विचारों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं और संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

जन्मदिन समारोह में हाजी मुस्लिम, हाजी अहमद हसन, डॉ. गुलजार, डॉ. मोहम्मद जफर, रेहान मुतवल्ली, शाहिद, हाजी इरशाद, अतीक, जाकिर, जाने आलम, मुनाजिर, मुस्तफा, मोहित कुमार, यूनुस, याकूब सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

स्योहारा में मासूम की मौत पर बवाल, पुलिस ने संभाला मोर्चा

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा नगर में एक ढाई वर्षीय मासूम की उपचार के दौरान मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हालांकि रास्ते में भी परिजनों ने एम्बुलेंस रोककर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस को स्थिति संभालनी पड़ी। जानकारी के अनुसार सोनम पत्नी अलीहसन निवासी गनीमतनगर, थाना भोजपुर, जनपद मुरादाबाद अपने पिता लतीफ के घर सदाफल आई हुई थीं। बताया जाता है कि गुरुवार शाम करीब चार बजे सोनम के ढाई वर्षीय पुत्र अर्श की अचानक तबीयत खराब हो गई।

परिजन उसे तत्काल ठाकुरद्वारा रोड स्थित एक निजी क्लीनिक में उपचार के लिए लेकर पहुंचे, जहां बच्चे को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। परिजनों का आरोप है कि उपचार के बावजूद बच्चे की हालत में सुधार नहीं हुआ और उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। बाद में चिकित्सकों ने बच्चे को किसी अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकीय लापरवाही के चलते बच्चे की मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। मासूम की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों और अन्य लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई और हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। बताया जाता है कि जब एम्बुलेंस शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए जा रही थी और नूरपुर फाटक के पास पहुंची, तभी परिजनों ने एम्बुलेंस को रोक लिया और विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। काफी देर तक चले तनावपूर्ण माहौल के बीच पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। बाद में पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि अभी तक इस संबंध में कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चे की मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा शव, परिजनों में मचा कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना-धामपुर मार्ग स्थित पुरैनी टोल प्लाजा पर महिला कर्मचारी से अभद्रता का विरोध करने पर कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए गनमैन महिपाल सिंह ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद उनका शव स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव फैजुल्लापुर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। गौरतलब है कि बुधवार दोपहर पुरैनी टोल प्लाजा पर एक कार चालक द्वारा महिला कर्मचारी शिवानी के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया था। विरोध करने पर वहां ड्यूटी पर तैनात गनमैन महिपाल सिंह बीच-बचाव के लिए पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी कार चालक और टोल कर्मचारियों के बीच विवाद बढ़ गया था। बताया जाता है कि महिपाल सिंह द्वारा समझाने का प्रयास किए जाने पर आरोपी आक्रोशित हो गया और उसने अचानक अपनी कार आगे बढ़ा दी। कार की चपेट में आने से महिपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना के बाद घायल महिपाल सिंह को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया था। पिछले दो दिनों से उनका उपचार चल रहा था, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना का वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घटना में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस मामले में पहले ही मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर चुकी है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही महिपाल सिंह का शव उनके पैतृक गांव फैजुल्लापुर पहुंचा, परिवार में चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण और शुभचिंतक उनके आवास पर पहुंच गए।

ब्याज ने ले ली बेटे की जान? किरतपुर में युवक की मौत के बाद फूटा परिवार का दर्द, सूदखोरी पर उठे बड़े सवाल

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- हमने बेटा खो दिया अब हमें इंसाफ चाहिए। यह शब्द हैं उस पिता के, जिसकी आंखों के सामने उसका जवान बेटा हमेशा के लिए दुनिया छोड़ गया। बिजनौर के किरतपुर में एक युवक की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। परिजनों का आरोप है कि कर्ज और ब्याज की वसूली के नाम पर युवक को इतनी प्रताड़ना दी गई कि उसकी जान चली गई। मृतक नीरज कुमार के पिता ज्ञान चंद, भाई अंकित कुमार और पत्नी सुजेता का आरोप है कि नीरज ने कुछ समय पहले कस्बे के अमित अग्रवाल से लगभग एक लाख रुपये उधार लिए थे। उनका कहना है कि समय पर ब्याज और रकम अदा न कर पाने पर नीरज पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि घटना वाले दिन नीरज को घर से अपनी ही बाइक पर बैठाकर ले जाया गया। यह पूरा घटनाक्रम आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरे में भी कैद होने का दावा किया जा रहा है। आरोप है कि उसे एक कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट की गई। कुछ समय बाद उसकी हालत बिगड़ गई और अंततः उसकी मौत हो गई। जैसे ही मौत की खबर गांव पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण थाना किरतपुर पहुंच गए। उन्होंने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा। इस घटना ने जिले में कथित अवैध सूदखोरी के कारोबार पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जरूरतमंद लोगों को ऊंचे ब्याज पर पैसा देकर बाद में उनसे अमानवीय तरीके से वसूली किए जाने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई परिवार आर्थिक मजबूरी में कर्ज तो ले लेते हैं, लेकिन बाद में ब्याज का बोझ उनकी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, साक्ष्यों और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों और आरोपों की पुष्टि हो सकेगी। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर समाज के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि वास्तव में अवैध सूदखोरी चल रही है तो उस पर प्रभावी रोक कब लगेगी? आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों को शोषण से कौन बचाएगा? और सबसे बड़ा सवाल, क्या नीरज के परिवार को न्याय मिल पाएगा? अब पूरे क्षेत्र की निगाहें पुलिस की जांच और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। परिजन लगातार एक ही मांग दोहरा रहे हैं। "यदि कोई दोषी है तो उसे कानून के कठघरे में लाया जाए और हमारे बेटे को न्याय मिले।

छेड़छाड़ और जानलेवा हमले का आरोप, पीड़िता ने मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना मण्डावली क्षेत्र के ग्राम राजपुर नवादा की एक महिला ने मुख्यमंत्री, डीजीपी, डीआईजी मुरादाबाद और पुलिस अधीक्षक बिजनौर को प्रार्थना-पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि छेड़छाड़ और जानलेवा हमले की शिकायत के बावजूद पुलिस ने अब तक उसका मुकदमा दर्ज नहीं किया, जबकि दूसरे पक्ष की ओर से उनके परिवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।प्रार्थना-पत्र के अनुसार, 10 जून 2026 को गांव के ही पिंटू और ललित ने कथित रूप से उसके साथ बाग में छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें कीं। पीड़िता का कहना है कि जब उसने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो आरोप है कि छोटू, संदीप, सचिन, कुलश्रेष्ठ, तुषार, सौरभ तथा एक अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे और जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता के अनुसार, उसे बचाने आए रईस पुत्र मजीद के साथ भी मारपीट की गई। उनका कहना है कि घटना के बाद उनका चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया, लेकिन इसके बावजूद आज तक उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी पक्ष का एक व्यक्ति स्वयं को प्रभावशाली बताकर पुलिस पर दबाव बना रहा है। इसी दबाव के चलते पुलिस ने उनके परिवार के विरुद्ध तो मुकदमा दर्ज कर लिया, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी पक्ष के लोग पुलिस के साथ उनके घर पहुंचकर लगातार डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे पूरा परिवार भय और दहशत के माहौल में जी रहा है।

महिला ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पुलिस अधीक्षक बिजनौर को निष्पक्ष जांच कराते हुए उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं।

उधर, इस संबंध में पुलिस का पक्ष सामने नहीं आया है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

शिवसेना का 60वां स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकताओं ने किया रक्तदान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शिवसेना के जिला कार्यालय पर 19 जून को 60वां स्थापना दिवस पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हवन-पूजन कर बालासाहेब ठाकरे को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में 22 कार्यकताओं ने रक्तदान कर सेवा भावना का परिचय दिया। इसके बाद जिला कार्यालय से भगवा रैली निकाली गई, जो अंसारी रोड, चौक बाजार, पूरा बाजार,

डिप्टी गंज, काला आम होते हुए जिला अस्पताल तक पहुंची और पुनः जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। स्थापना दिवस के अवसर पर भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें मीठे जल व प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान सभी कार्यकताओं ने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने तथा संगठन से 20,000 नए कार्यकताओं को जोड़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव राजकुमार गिरी, समाजसेवी सोबिन भारद्वाज, रवि कुमार (खुर्जा), ऋतिक गोस्वामी, आकाश गोस्वामी, तेजवीर सिंह लोधी, हर्ष भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमरगढ़ में नही रूक रही प्रतिबंधित पेड़ों की कटाई

बुंगरास/अमरगढ/बुलंदशहर (सब का सपना):- चौकी क्षेत्र के गांव बैरल में प्रतिबंधित पेड नीम व जामुन के पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद भी दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने फोन कर विभागीय दरोगा से शिकायत की थी। जानकारी के अनुसार चौकी क्षेत्र के गांव बैरल में नीम व जामुन के हरे भरे प्रतिबंधित पेड़ों को बिना अनुमति

के काट दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत के बाद वन अधिकारी मौके पर तो पहुंचे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।खाना पूर्ति कर वापिस आ गए।अगर इन लकडी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई नही की तो इनके होसले बुलंद होंगे जिससे क्षेत्र की हरियाली को खतरा होगा।इस संबंध में वन दरोगा प्रमोद कुमार भारतीय का कहना है कि उक्त मामले में विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

भाकियू (अराजनीतिक) ने किसानों की समस्याओं को लेकर बैठक कर, सौंपा ज्ञापन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में शुक्रवार को तहसील शिकारपुर में किसानों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, तहसीलदार गौरव बिश्नोई, नायब तहसीलदार, चकबंदी अधिकारी, कानूनगो व लेखपाल मौजूद रहे। इस दौरान किसानों की कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

किसानों ने आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजने, प्रतिदिन 18 घंटे विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, अवैध कब्जे हटाने, डीएपी-यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने, खतौनी व फार्मर रजिस्ट्री संबंधी त्रुटियों के निस्तारण, शिकारपुर-जहांगीराबाद मार्ग का शीघ्र निर्माण तथा गांवों में सड़क, नाली, खेल मैदान और सार्वजनिक शौचालय जैसी सुविधाओं की मांग उठाई। बैठक में किसानों ने वेब शुगर मिल के गन्ना भुगतान के लिए जिलाधिकारी बुलंदशहर, अन्य अधिकारियों एवं भाकियू (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय पर फायरिंग, युवक गंभीर घायल

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के चरौरा मुस्तफाबाद के सामने स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पर शुक्रवार को बाइक सवार आधा दर्जन हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

घटना में 22 वर्षीय गुलजार पुत्र निसार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पहले जिला अस्पताल और बाद में मेरठ रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, एक दिन पूर्व हुए विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद से इलाके में तनाव फैल गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। क्षेत्र में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात है।

प्राकृतिक खेती से आय व पर्यावरण सुरक्षित:- सुरेंद्र सिंह दिलेर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "बारह साल विश्वास के, विकास के एवं जनकल्याण के" अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, बुलंदशहर में प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राजस्व राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी सुरेंद्र सिंह दिलेर ने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की लागत कम होगी, आय बढ़ेगी तथा मिट्टी और पर्यावरण भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के हित में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना सहित अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवसर पर सदर विधायक प्रदीप चौधरी, सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज सिंह, डिबाई विधायक सी.पी. सिंह लोधी, भाजपा जिला महामंत्री दीपक दूल्हेरा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधीर शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक एवं किसान मौजूद रहे।

बुगरासी में सांसद भोला सिंह ने किया जन संवाद

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- भाजपा सांसद डॉक्टर भोला सिंह बुगरासी निवासी नरेश सिंह जिंदल के आवास पर पहुंचे। आवास पर पहुंचते ही भाजपा प्रतिनिधि सांसद राजीव गर्ग व भाजपा कार्यकताओं ने उनका फूल माला व पटका पहनाकर जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान लोकसभा सांसद भोला सिंह ने केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणी योजनाएं की उपलब्धियां गिनाई और प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल बेमिसाल के बारे में भी कस्बे वासियों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में सबका साथ सबका विकास हुआ है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा

में जेवर एयरपोर्ट के बारे में भी राज्य सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यूपी की योगी सरकार ने भी बहुत ही कम समय में जनता को जेवर एयरपोर्ट की सौगात दी है। व्यापार मंडल के महामंत्री किशन तायल ने सांसद भोला सिंह से लाइट की भारी परेशानी के बारे में जानकारी दी और उन्हें ज्ञापन दिया और कहा कि हमारे बुगरासी विद्युत केंद्र को रूखी भगवानपुर बिजली घर से जुड़वाने जाए। मनोज गर्ग ने बुगरासी में लड़कियों के लिए डिग्री कॉलेज की मांग रखी। लोकसभा सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने सभी कार्यकताओं को भरोसा दिलाया कि आपको जो भी परेशानियां हैं उन्हें बहुत जल्दी दूर कर दिया जाएगा। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजीव गर्ग नगर पंचायत अध्यक्ष ओम दत्त लोधी मास्टर रामनिवास गर्ग अभिषेक गर्ग मंजू सोनी निखिल जिंदल अमित सिंगल अजय सिंगल रामकुमार सिंघल रामगोपाल सिंगल देवेंद्र सिंघल मुकुल जिंदल कपिल जिंदल नीरज चौधरी राजीव लोधी वह अन्य व्यापारी लोग उपस्थित रहे। वहीं चौकी प्रभारी नीटू मलिक फोर्स के साथ मौके पर मौजूदरहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शनिवार 20 जून 2026
www.sabkasapna.com

त्यागी समाज को मिले राजनीति में उचित हिस्सेदारी:- मांगेराम त्यागी

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- त्यागी समाज को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को स्याना में किसान नेता मांगेराम त्यागी के आवास पर त्यागी समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समाज के वरिष्ठ और गणमान्य लोग शामिल हुए। त्यागी समाज ने अपने राजनीतिक अधिकारों व उचित हिस्सेदारी की मांग को लेकर एक बार फिर आवाज बुलंद की है।समाज के प्रबुद्ध जनों का कहना है कि प्रदेश की राजनीति में त्यागी समाज की आबादी और योगदान के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना

चाहिए जो नही मिल रहा है। किसान नेता मांगेराम त्यागी ने कहा कि त्यागी समाज हमेशा से देश और समाज के लिए समर्पित रहा है,हमारे लोग खेती शिक्षा सेना पुलिस और प्रशासन में अपनी सेवा दे रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव के समय टिकट वितरण और सरकारों में भागीदारी के वक्त हमें भुला दिया जाता है।अब समय आ गया है कि सभी राजनीतिक दल त्यागी समाज की ताकत को पहचानें। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि बिना राजनैतिक हिस्सेदारी के समाज का सामाजिक और आर्थिक उत्थान संभव नहीं है। इसलिए अब त्यागी समाज एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ेगा। इस अवसर पर आशीष त्यागी उर्फ पप्पू त्यागी विक्रांत त्यागी कपिल त्यागी मनोज त्यागी डाक्टर कपिल सुनील त्यागी अक्षय त्यागी सिहानी कपीस त्यागी मोहित त्यागी दिव्यांश त्यागी अंकुर त्यागी हिमांशु त्यागी विकास त्यागी, चंद्रपाल सिंह एके चौहान वाई के त्यागी रविंद्र गौड़ सहित कई दर्जन लोग मौजूद रहें।

सीओ ने थाना छतारी का किया निरीक्षण कर किया वृक्षारोपण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- क्षेत्राधिकारी डिबाई मधुप कुमार सिंह ने थाना छतारी में प्रातःकालीन गणना में शामिल होकर पुलिसकर्मियों को बीट व्यवस्था मजबूत करने, जनसुनवाई के त्वरित निस्तारण तथा साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने थाना परिसर,

मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल का निरीक्षण कर साफ-सफाई व अभिलेखों की समीक्षा की।

इसके बाद प्रभारी निरीक्षक एवं पुलिसकर्मियों के साथ वृक्षारोपण कर कुल 10 पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

नेशनल कैनोइंग चैंपियनशिप में जीते दो रजत पदक, क्षेत्र में खुशी की लहर

पहासू/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम भैयापुर निवासी राजेंद्र सिंह के पुत्र सुमित कुमार बघेल ने रायपुर में आयोजित 36वीं नेशनल कैनोइंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक जीतकर क्षेत्र और बुलंदशहर का नाम रोशन किया। मेडल जीतकर पहली बार पहासू आगमन पर मठ

मंदिर में उनका भव्य स्वागत किया गया।

इसके बाद उन्हें डीजे और बाइक रैली के साथ ग्राम भैयापुर तक सम्मानपूर्वक ले जाया गया। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

लुटियंस दिल्ली की 700 झुग्गियों पर खतरा, घरों पर निशान लगाकर बुलडोजर चलाने की तैयारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जयपुर पोलो ग्राउंड और रेस कोर्स इलाके के ब्री कैंप झुग्गियों में रहने वाले सैकड़ों लोग अपने घर गंवाने के डर से परेशान हैं। अधिकारियों ने झुग्गियों पर निशान लगाए हैं और तोड़ने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह काम दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए किया जा रहा है। दरअसल, यहां 700 से ज्यादा परिवार रहते हैं। यहां के लोग 11 मई के कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील की है। उनका कहना है कि उन्हें 45 किलोमीटर दूर सवदा घेवरा भेज दिया जाए तो उनकी रोजी-रोटी छिन जाएगी। कई लोग घर खाली करने में जुटे ज्यादातर लोग प्रधानमंत्री निवास के पास ब्लू कॉलर की जॉब करते हैं। गुरुवार को तोड़-फोड़ की गतिविधियां देखकर लोग बहुत घबरा गए हैं। कई परिवार अपने घरों के दरवाजे, खिड़कियां और टिन की चादरें निकालने लगे हैं। 300 परिवार पहले ही सवदा घेवरा चले गए यहीं रहने वाले शान खान ने कहा, "हम ब्रिटिश काल से यहां रह रहे हैं। अब अधिकारी हमें फिर घरों को खाली करने के लिए बोल रहे हैं। जबकि हमारी कई पीढ़ियां यहीं बीती हैं।" उन्होंने बताया कि करीब 300 परिवार पहले ही सवदा घेवरा चले गए हैं। बाकी परिवार अभी कोर्ट केस के चलते रुके हुए हैं। मार्च से वे इस मामले में लड़ाई जारी रखे हुए हैं।

दिल्ली से पूर्वी यूपी तक पहुंचना अब हुआ आसान, रेलवे ने मऊ तक शुरू की नई ट्रेन

नई दिल्ली। रेलवे प्रशासन ने आनंद विहार ट्रमिनल से मऊ के बीच नियमित एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इससे पूर्वी उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। 24 जून से इसकी शुरूआत होगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि गर्मी में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखकर अभी आनंद विहार टर्मिनल से बलिया के बीच 04056/04055 नंबर की विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसकी जगह अब आनंद विहार टर्मिनल से बलिया के बीच 14056/14055 नंबर की नियमित एक्सप्रेस चलाने का निर्णय लिया गया है। 24 जून से चलेगी यह ट्रेन यह नियमित ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल से 24 जून और मऊ से 25 जून से चलेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह ट्रेन अपराह्न तीन बचे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह पौने छह बजे मऊ पहुंचेगी। मऊ से यह पूर्वाह्न 10.30 बजे चलेगी और अगले दिन तड़के तीन बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। रास्ते में इसका ठहराव कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, जंघई, जौनपुर जंक्शन, शाहगंज, खोरासन रोड, और मुहम्मदाबाद में होगा।

दिल्ली को मिला पहला महिला पुलिस स्टेशन, जांच अधिकारी से सिपाही तक सब महिलाएं; एलजी ने दिया एक बड़ा आदेश

नई दिल्ली। राजधानी में पहली बार पूर्णकालिक महिला पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई है। उत्तर दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके में शुक्रवार को इस महिला पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजी सिंह संधु ने दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा की उपस्थिति में सब्जी मंडी पुलिस स्टेशन परिसर में महिला पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया। हर शनिवार को सभी थानों में होगी 'जन सुनवाई' उपराज्यपाल संधु ने कहा कि यह महिला पुलिस स्टेशन राजधानी की महिलाओं की समस्याओं को सुनने और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का सीधा मंच बनेगा। उन्होंने बताया कि जल्द ही अन्य जिलों में भी ऐसे महिला पुलिस स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उपराज्यपाल ने यह भी घोषणा की कि शनिवार से सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शहर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों पर 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के तहत जन शिकायतों को सुनेंगे। पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित यह दिल्ली का पहला ऐसा पुलिस स्टेशन है जो पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित होगा। स्टेशन में जांच अधिकारी से लेकर सहायक स्टाफ तक सभी कर्मी महिलाएं हैं। यह स्टेशन महिलाओं के खिलाफ होने वाले गंभीर अपराधों जैसे घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, स्टॉकिंग और हमले आदि की रोकथाम, जांच और निपटारे पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। और किस तरह की मिलेंगी सुविधाएं? पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस स्टेशन में जागरूकता कार्यक्रम, काउंसलिंग सत्र और कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे, ताकि महिलाओं के अधिकारों और कानूनी उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

दिल्ली में नवंबर से पार्किंग शुल्क दोगुना, पुसीसी के बिना नहीं मिलेगा फ्यूल; सीएम रेखा गुप्ता के कई बड़े फैसले

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 'प्रोएक्टिव विंटर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क' की घोषणा करते हुए कुछ बड़े एलान किए हैं। इसके तहत जहां नवंबर से सरकारी पार्किंग का किराया दोगुना करने की घोषणा की गई है। वहीं, नवंबर से जनवरी 2027 तक दिल्ली में बाहर से पंजीकृत नॉन-बीएस-4 कॉमर्शियल वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित करने का फैसला सुनाया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बयान में कहा कि अधिसूचित फ्रेमवर्क के अनुसार, केवल वैध

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसीसी) रखने वाले वाहनों को ही दिल्ली के पेट्रोल पंपों से ईंधन मिल सकेगा। मुख्य प्रतिबंध नॉन-बीएस-4 कॉमर्शियल वाहन : 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक दिल्ली में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। पार्किंग शुल्क : निजी वाहनों के अत्यधिक उपयोग को कम करने के लिए 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक अधिकृत पार्किंग सुविधाओं का शुल्क दोगुना कर दिया जाएगा। कुछ छूट का भी किया ऐलान सीएनजी वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, इमरजेंसी सर्विस वाहन और सरकारी काम से जुड़े वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी। अन्य उपाय कचरा और बायोमास को खुले में जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध धूल नियंत्रण और निर्माण गतिविधियों की एडवांस प्लानिंग बनाएंगे मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सर्दियों से कई महीने पहले ही इन प्रतिबंधों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि लोगों को बाद में कोई असुविधा न हो।

दिल्ली में नवंबर से पार्किंग शुल्क दोगुना, पुसीसी के बिना नहीं मिलेगा फ्यूल; सीएम रेखा गुप्ता के कई बड़े फैसले

नई दिल्ली। पिछली असफलता को भुलाकर दिल्ली सरकार एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी में कृत्रिम बारिश (क्लाउड-सीडिंग) कराने की तैयारियों में जुट गई है। प्रस्तावित अभियान के तहत उड़ानों की मंजूरी हासिल करने, विमानों व पायलटों की व्यवस्था करने एवं विभिन्न एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाने का काम तेजी से चल रहा है। क्या है 'क्लाउड-सीडिंग' तकनीक? क्लाउड-सीडिंग मौसम में बदलाव करने वाली एक वैज्ञानिक तकनीक है, जिसका उद्देश्य बादलों की वर्षा करने की क्षमता को बढ़ाना है। इसके तहत उपयुक्त बादलों के बीच सिल्वर आयोडाइड और अन्य रसायनों का छिड़काव किया जाता है, जिससे वर्षा की बूंदें या बर्फ के क्रिस्टल बनने में मदद मिलती है। पिछली गलतियों से लिया सबक अधिकारियों ने बताया कि इस बार सबसे ज्यादा ध्यान प्रशासनिक और परिचालन संबंधी तैयारियों पर दिया जा रहा है। दरअसल दिल्ली में पहले किए गए प्रयासों के दौरान यही क्षेत्र सबसे बड़ी

चुनौती बनकर उभरा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'पिछले प्रयासों के दौरान सीमित समय के भीतर उड़ान की अनुमति लेना, विमानों-पायलटों की व्यवस्था करना और टेक-आफ शेड्यूल का समन्वय करना एक बड़ा रोड़ा बन गया था।' चूंकि क्लाउड-सीडिंग के लिए कई स्तर की मंजूरी और कई एजेंसियों के बीच तालमेल की जरूरत होती है, इसलिए अनुकूल मौसम बनने पर देरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। इसी वजह से अधिकारी मौसम साफ होने या अनुकूल खिड़की खुलने का इंतजार करने के बजाय, ये सभी इंतजाम पहले से ही पूरे कर लेना चाहते हैं। ।IT कानपुर संभाल रहा तकनीकी कमान इस पूरे प्रोजेक्ट को ।IT कानपुर का तकनीकी सहयोग मिल रहा है। संस्थान इस अभियान के अनुसंधान और परिचालन योजना सहित कई पहलुओं को संभाल रहा है। ।IT कानपुर के विज्ञानी उन सटीक परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं जिनमें क्लाउड-सीडिंग की जा सकती है, साथ ही इसके लिए संभावित समय-सीमा भी तय की जा रही है। एक अधिकारी के अनुसार, गर्मियों के इसी मौसम में क्लाउड-सीडिंग का एक और ट्रायल देखने को मिल सकता है। पिछले साल का अनुभव दिल्ली पर्यावरण विभाग और ।IT कानपुर के बीच 25 सितंबर 2025 को हुए समझौते (एमओयू) के बाद पिछले साल अक्टूबर में दो दौर के ट्रायल किए गए थे। हालांकि, उस प्रयोग से शहर में वर्षा नहीं हुई थी। क्या हुआ था पिछले ट्रायल में? पिछले साल के ट्रायल के दौरान सिल्वर आयोडाइड और सोडियम क्लोराइड वाले आठ केमिकल फ्लेयर्स (रसायन) छोड़े गए थे। प्रदूषण में आई थी कमी दिल्ली सरकार द्वारा बाद में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि इन ट्रायल्स से लक्षित स्थानों पर प्रदूषण के कणों के स्तर को कम करने में मदद मिली थी।

प्रदूषण से निपटने का 'इमरजेंसी प्लान' 23 मार्च को जारी दिल्ली के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में भी यह कहा गया था कि मौसम विभाग के परामर्श से और अधिक क्लाउड-सीडिंग ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। सर्वेक्षण में इस कवायद को एक शॉर्ट-टर्म इमरजेंसी उपाय (आपातकालीन कदम) बताया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कृत्रिम वर्षा के जरिए हवा में मौजूद खतरनाक प्रदूषण के स्तर को कम करना है।

दिल्ली में 42 स्थानों पर 'जन कल्याण शिविर' का आगाज, एक ही छत के नीचे मिलेंगी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के नागरिकों तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए एक बड़े अभियान की शुरूआत की है। आज संदेश विहार स्थित एमसीडी कम्युनिटी हॉल में एक भव्य 'जन कल्याण शिविर' का आधिकारिक शुभारंभ किया गया। सरकार का दावा है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक दिल्लीवासियों तक पूरी पारदर्शिता और तेजी के साथ पहुंचाना है। 18 से 20 जून तक चलेगा विशेष अभियान यह विशेष अभियान राजधानी में 18 जून से 20 जून तक चलाया जा रहा है। इसके तहत दिल्ली के अलग-अलग 42 प्रमुख स्थानों पर जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार, दोनों की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी, पंजीकरण और आवश्यक सेवाएं एक ही छत के नीचे (सिंगल विंडो सिस्टम) उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम जनता को दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी। 'विश्वास, विकास और जनकल्याण' की प्रेरणा सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '12 वर्ष के विश्वास, विकास और जनकल्याण' के सेवाकाल से प्रेरणा लेकर उठाया गया है। सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी इन योजनाओं से जोड़ना है। इन शिविरों में मिलेंगी ये मुख्य सुविधाएं विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी। मौके पर ही नई योजनाओं के लिए पंजीकरण और फॉर्म भरना। आधार, राशन कार्ड, पेंशन व अन्य बुनियादी सेवाओं से जुड़ी सहायता।

'150 जजों के लंदन जाकर खेलने' का मामला पहुंचा दिल्ली एचसी भारतीय बैडमिंटन संघ ने दाखिल की याचिका

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने ऑनलाइन वायरल हो रही फेक न्यूज के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। फेक खबर में दावा किया जा रहा था कि इस महीने लंदन में हुए बैडमिंटन टूनार्मेंट में कई दर्जन भारतीय जजों ने भाग लिया।दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले को शुक्रवार को ही तत्काल सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। क्या है लंदन में जजों के खेलने का पूरा मामला खबरों के मुताबिक, काफी संख्या में न्यायाधीश और वकील दूसरे अंतरराष्ट्रीय बार एंड बेंच बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए ब्रिटेन गए थे। 7 जून को लंदन के साउथॉल में भारत और ब्रिटेन के वकीलों के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय' बैडमिंटन टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। बताया जा रहा है कि इसका आयोजन पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी और डेका इवेंट्स की संस्थापक अबंतिका डेका ने किया था। इस कार्यक्रम को भारत के केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के साथ-साथ कुछ कॉर्पोरेट कंपनियों ने भी प्रायोजित किया था। देखते ही देश में शुरू हो गई बहस हालांकि, इस आयोजन की आलोचना के साथ ही देश में एक नया मुद्दा सामने आ गया। वकील प्रशांत भूषण ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सवालों की बौछार कर दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था, 'कानून मंत्रालय द्वारा लंदन में आज भारतीय न्यायाधीशों और वकीलों के बीच एक अद्भुत बैडमिंटन टूनार्मेंट प्रायोजित किया जा रहा है! अन्य प्रायोजक विभिन्न कॉर्पोरेट कंपनियां हैं। मुख्य न्यायाधीश और कानून मंत्री द्वारा उद्घाटन किया जा रहा है! 150 न्यायाधीश और वकील भाग ले रहे हैं! प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील का क्या हुआ? न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता का क्या हुआ? न्यायपालिका की स्वतंत्रता का क्या हुआ? घिनौना!' वहीं, सोशल मीडिया पर फिजूलखर्ची को लेकर केंद्र सरकार पर एक से बढ़कर एक आरोप लगने लगे।

वादे बदले, नीतियां बदलीं, पर उत्तम नगर से द्वारका मोड़ तक सड़क की किस्मत कब बदलेगी?

पश्चिमी दिल्ली। वादे बदले, नीतियां बदलीं और सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी लोक निर्माण विभाग से हटाकर दिल्ली मेट्रो को दे दी गई, लेकिन अगर कुछ नहीं बदला तो वह है नजफगढ़ मेन रोड के सेंट्रल वर्ज (डिवाइडर) की बदहाली। मुख्यमंत्री की अगुवाई में फरवरी में हुए फैसले को बीते कई महीने हो चुके हैं, जिसके तहत मेट्रो लाइन के नीचे आने वाले 87 किलोमीटर लंबे हिस्से के कायाकल्प का जिम्मा डीएमआरसी को सौंपा गया था। इस फैसले से पश्चिमी दिल्ली की लाइफलाइन कही जाने वाली नजफगढ़ रोड के आसपास रहने वाले लाखों लोगों में उम्मीद की एक नई किरण जगी थी, मगर जमीनी हकीकत आज भी जस की तस बनी हुई है। उत्तम नगर से लेकर द्वारका मोड़ के बीच आज भी हालात जस के तस हैं, जहां सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के ग्रिल और सीमेंट के अवरोधक गायब हैं और हरियाली की जगह सिर्फ धूल उड़ती नजर आती है। ग्रिल न होने की वजह से लोग तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच जान जोखिम में डालकर सड़क पार करने को मजबूर हैं, जिससे हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय निवासियों का सबसे बड़ा सवाल दिल्ली मेट्रो की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। लोगों का कहना है कि मेट्रो स्टेशनों के ठीक नीचे का हिस्सा हमेशा से डीएमआरसी के ही अधीन रहा है, लेकिन वहां आज भी अतिक्रमण, गंदगी और अव्यवस्था का बोलबाला है। ऐसे में जब मेट्रो प्रशासन अपने स्टेशनों के नीचे के छोटे से हिस्से को साफ और व्यवस्थित नहीं रख पा रहा, तो वह इतनी लंबी सड़क के सेंट्रल वर्ज को कैसे सुधारेगा? बता दें कि करीब डेढ़ दशक पहले इस सड़क को दिल्ली नगर निगम से लोक निर्माण विभाग को इसलिए ट्रांसफर किया गया था ताकि इसका कायाकल्प हो सके, लेकिन विभाग बदलने से इसकी किस्मत नहीं बदली। अब गेंद डीएमआरसी के पाले में है, मगर धरातल पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है। सड़क किनारे बनी ग्रीन बेल्ट की दीवारें और ग्रिल भी टूट चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सेंट्रल वर्ज पर झाड़ीनुमा हरियाली बेहद जरूरी है ताकि रात में सामने से आने वाले वाहनों की तेज रोशनी चालकों की आंखों पर न पड़े और मजबूत ग्रिल पैदल यात्रियों को अचानक सड़क पार करने से रोक सके। कागजी दावों से इतर उत्तम नगर से द्वारका मोड़ तक आज भी वही उजाड़ नजारा है और जनता अब भी किसी चमत्कार के इंतजार में है।

'लोगों को एक बार में नानी याद आ जाती है और आप, केजरीवाल ने नीट यूजी 2026 री-एग्जाम से पहले किससे यह कहा?

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा के री-एग्जाम की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने छात्रों के लिए विशेष वीडियो संदेश जारी किया है। 21 जून को होने वाले री-एग्जाम से ठीक पहले केजरीवाल ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें शांत रहकर परीक्षा देने की सलाह दी। छात्रों के प्रति संवेदना और मोटिवेशन केजरीवाल ने कहा कि एक महीने में दो बार नीट जैसी बड़ी परीक्षा देना आसान नहीं है। उन्होंने छात्रों की मुश्किलों को समझते हुए कहा, मैं जानता हूं कि आप लोगों ने बहुत कुछ सहा है। एक बार नीट देने में ही नानी याद आ जाती है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि अब पुरानी बातों को भूलकर पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ाई करें और शांत दिमाग से परीक्षा दें। केजरीवाल ने भरोसा जताया कि सभी छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और भविष्य में बेहतर डॉक्टर बनकर देश की सेवा करेंगे। इससे पहले गुरुवार को केजरीवाल ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर केंद्र

सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सरकार द्वारा टेलीग्राम बैन करने के फैसले को हास्यास्पद बताया। केजरीवाल ने कहा, पहले बोला हवाई जहाज से प्रश्नपत्र भेजेंगे, अब कह रहे हैं टेलीग्राम बैन कर दिया तो पेपर लीक रुक जाएगा। इनकी नीयत ही खराब है। पेपर लीक का धंधा टॉप तक पहुंचता है पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पेपर लीक एक बड़ा व्यापार है, जिसमें अरबों-खरबों रुपये घूमते हैं और पैसा ऊपर तक पहुंचता है। उन्होंने इसे राजनीतिक दलों के सांसदों और विधायकों की खरीद-फरोख्त से जोड़ा। केजरीवाल ने कहा कि पेपर लीक बंद होने से सांसद-विधायकों को खरीदने के पैसे का स्रोत बंद हो जाएगा, इसलिए सरकार इसे रोकना नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि जब तक जनता सड़कों पर नहीं उतरती और पूरी व्यवस्था नहीं बदलती, तब तक पेपर लीक रुकने वाला नहीं है। उल्लेखनीय है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 3 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद कर दिया था। अब इसकी नई परीक्षा 21 जून को कराई जा रही है।

मेकअप धुलेगा नहीं, खिलेगा!

■ मेकअप सुन्दर और टिकाऊ होने के लिए सबसे पहले त्वचा का स्वस्थ और सुन्दर होना सबसे आवश्यक है। बरसात के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी के कारण रोमछिद्र ब्लॉक हो जाते हैं। इसलिए आप सुबह अपनी त्वचा को स्क्रब कर लीजिए। रात को सोने के पहले चेहरे को फेस वॉश से क्लीन कर लीजिए। इससे त्वचा साफ और सुकोमल रहेगी।

■ बरसात के दिनों में मेकअप टिकाऊ रहे इसके लिए वॉटर प्रूफ पैन स्टिक, और वॉटर प्रूफ पैन-केक का इस्तेमाल आप बेस बनाने के लिए कर सकती हैं। पार्टी में जाते समय आप चाहें तो केवल टू-वे केक का इस्तेमाल भी बेस के लिए कर सकती हैं। इससे भी मेकअप काफी देर तक टिका रहता है।

■ आंखों को बड़ा और सुन्दर दिखने के लिए आई लाइनर लगाते समय ध्यान रखना चाहिए कि लाइनर वॉटरप्रूफ हो ताकि बूंदा-बांदी पड़ने पर फैले नहीं। अगर आप रोज-रोज लाइनर नहीं लगाना चाहती हैं तो आप पर्मानेंट आई लाइनर भी लगवा सकती हैं। इससे आंखें हर समय और हर मौसम में सुन्दर दिखती हैं।

■ आजकल कजरारे नैनों का फैशन है, लेकिन बरसात के दिनों में पानी से काजल फैलने की संभावना बनी रहती है इसलिए इस मौसम में वॉटरप्रूफ आई लाइनर का इस्तेमाल आप चाहें तो काजल की जगह कर सकती हैं। अच्छा रहेगा कि आप आंखों में पर्मानेंट काजल करवालें इससे काजल फैलने का डर भी नहीं रहेगा और आंखें हर पल कजरारी नजर आएंगी।

■ पलकें ज्यादा कर्ली, धनी और सुन्दर दिखे इसके लिए आप इस मौसम में वॉटरप्रूफ मस्कारा का प्रयोग करें तो अच्छा रहेगा। आप किसी अच्छे कॉस्मेटिक क्लीनिक से पर्मानेंट मस्करा भी लगवा सकती हैं इससे आपको रोज-रोज मस्कारा लगाने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि पर्मानेंट मस्कारा 10-15 दिनों तक टिकता है।

■ आप अगर बिन्दी लगाने जा रहें हैं तो इस मौसम में अच्छी क्वालिटी की चिपकने वाली बिन्दी का प्रयोग करें क्योंकि लिक्विड अथवा पाउडर बिन्दी इस मौसम में टिक नहीं पाती। खास मौकों पर आप किसी अच्छे ब्यूटी क्लीनिक से वॉटरप्रूफ बिन्दी भी बनावा सकती हैं।

■ बरसात के मौसम में होंठ सुन्दर दिखे और लिपस्टिक देर तक टिकी रहे इसके लिए आप पहले लिप लाइनर से होंठों को शेप दें और फिर मैट लिपस्टिर लगाकर पाउडर पफ से ट्रॉस्परेंट पाउडर लगा लें, इसके ऊपर लिप ग्लौस लगा लीजिए। लिपस्टिक देर तक टिकेगी भी और सुन्दर भी दिखेगी।

■ इस मौसम में बालों को सैट करने के लिए हेयर स्टाईलिंग जैल और कर्लिंग स्टाइल से बालों को सैट नहीं करना चाहिए। इससे भींगने पर बाल चिपचिपे हो जाते हैं और कर्ल किए गए बाल कर्ल भी नहीं रह पाते हैं। बेहतर होगा कि इस मौसम में आप नेचुरल और अनकेप्ट हेयर स्टाइल रखें।

■ वर्षा में भींगने से ऑयल और मैल के कारण बालों में चिपचिपापन आ जाता है इसलिए भींगे बालों को माइल्ड शैम्पू से साफ कर लें।

■ शिफॉन, रेशमी, स्टार्च वाले कपड़े इस मौसम में नहीं पहनने चाहिए क्योंकि ये खराब हो जाते हैं। महीन सूती कपड़े जो पानी में भींगने पर ट्रॉनसिपरेंट हो जाते हैं जहां तक संभव हो नहीं पहनने चाहिए। बेहतर होगा कि आप थिक कॉटन, टेरीकॉटन या क्रेप जैसे कपड़े इस मौसम में पहनें यह शरीर के लिए आरामदायक और अनुकूल भी रहेंगे।

काबुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

रूसी से बचने के उपाय

1. बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
2. कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
3. कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
4. रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
5. सप्ताह में एक या दो बाद एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
6. बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
7. सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

खरीदारी करते समय...

● खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जाने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।

● बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।

● घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।

● पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।

● खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा?

● 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।

● बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली -3923

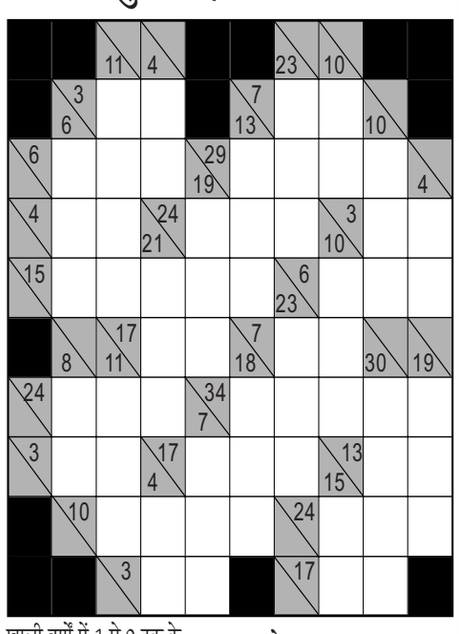

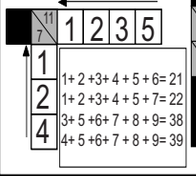

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3922 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

□ □ □

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?'

□ □ □

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

□ □ □

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

□ □ □

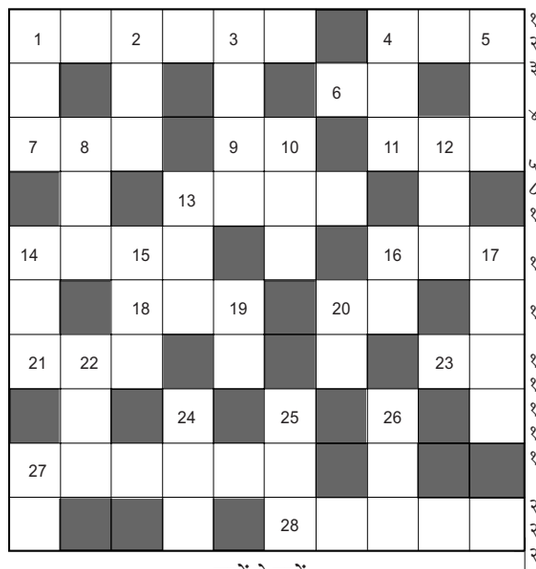

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3923

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3922

सूडोकु -3923

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3922 का हल

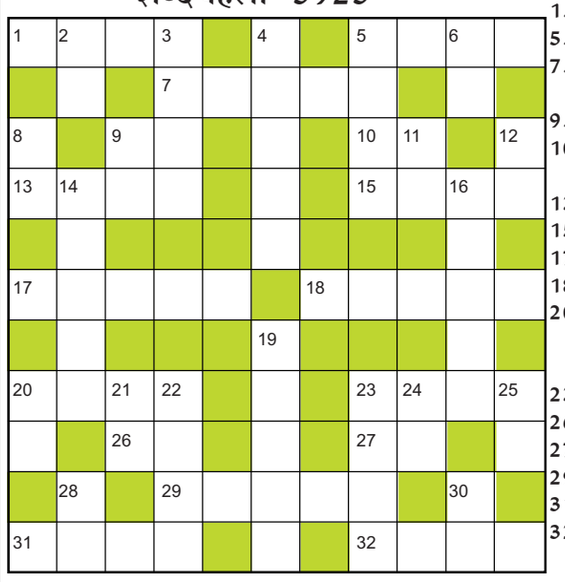

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली -3923

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3922 का हल

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''
अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में ृस्रष्टद्धह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।''
नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

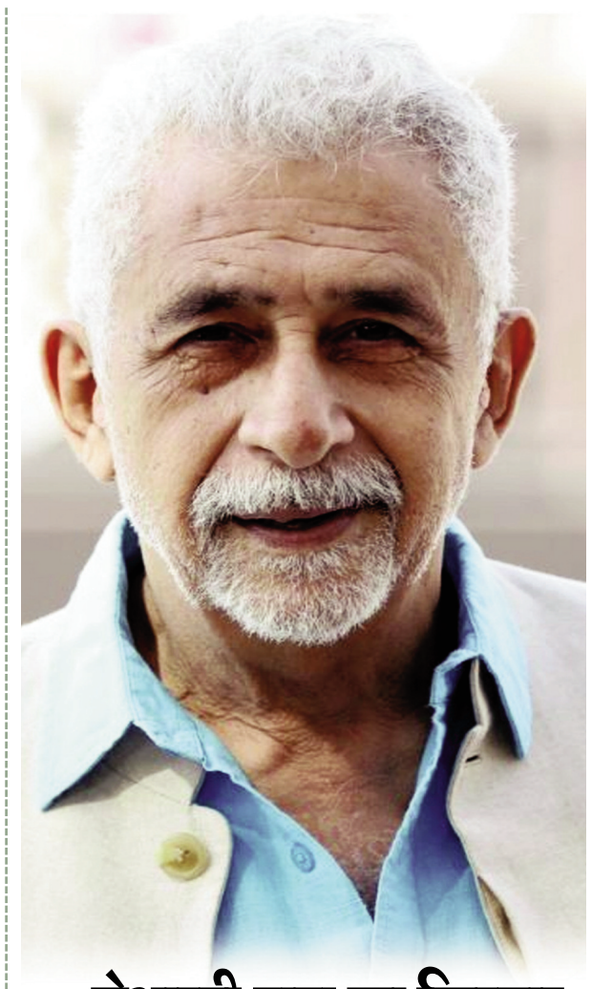

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।'
फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्दद्दठ्ठ पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।